# सबसे तेज प्रयागराज

RNI NO-UPHIN/2023/84340

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 27 जुलाई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 127 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र


# परीक्षा सुधार: नंदन नीलेकणि की अगुवाई में बनेगी हाई पावर टास्क फोर्स

## पेपरलीक रोकने के लिए आज कठोर कानून लाएंगे, परीक्षा सुधार के लिए हाईपावर टास्क फोर्स बनाई

**नई दिल्ली**

पीएम मोदी ने रविवार शाम 7 बजे के करीब इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। मोदी ने कहा- फ्रेंड्स स्टूडेंट के भविष्य के लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है। जिन लोगों ने स्टूडेंट के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। वे जेलों में सड़ रहे हैं।

हमने फास्ट ट्रैक कोर्ट बना दिए हैं। हम कल संसद में कठोर सजा के साथ प्रावधान ला रहे हैं। लेकिन हमें भविष्य के बारे में भी सोचना है। हमारी परीक्षा सिस्टम विश्वस्त हो, इसमें सबसे ज्यादा टेक्नोलॉजी का उपयोग हो।

इंफोसिस को-फाउंडर नंदन नीलेकणी जी के नेतृत्व में एक हाईपावर टॉस्क फोर्स बनाने का निर्णय लिया है। जो एग्जॉनेशन रिफॉर्म की तरफ फोकस करेगा।

**23 जुलाई: पहला वीडियो जारी किया**

23 जुलाई की रात 12 बजे हैंडल पर पोस्ट किए गए 2.56 मिनट के वीडियो मैसेज में मोदी ने कहा- पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों छात्रों, उनके माता-पिता के लिए पीड़ादायक है। इसलिए पेपर लीक से अब तक, पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं। गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं। हमारी जिम्मेदारी थी कि छात्रों का साल बर्बाद न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों का एग्जाम कराया। 19 जुलाई को रिजल्ट भी आ गया।

**फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का निर्देश दिया**

उन्होंने यह भी कहा- हम इतने से संतोष करने वाले नहीं हैं। इसलिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का निर्देश दिया है। दरअसल, यह पूरा मामला 3 मई को हुए नीट यूजी पेपर लीक से जुड़ा है।

**24 जुलाई: दूसरा वीडियो मोदी बोले- वीडियो पर सकारात्मक सुझाव के लिए शुक्रिया**

## नारायण मूर्ति के साथ मिलकर की इंफोसिस की शुरूआत

साल 1978 में उनकी मुलाकात नारायण मूर्ति से होती है। इन दोनों की मुलाकात के बाद ही इंफोसिस की शुरूआत हुई। ये 80 का दशक था। उस दौरान आज के मुकाबले भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप काफी अलग था। इस दौर में किसी स्टार्टअप का ग्रो करना काफी मुश्किल काम था। करीब 10 वर्षों तक इंफोसिस काफी मुश्किल हालातों में चलती रही। वहीं साल 1991 में भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए मेजर रिफॉर्म ने मानों इंफोसिस को एक नया रास्ता दे दिया हो।

साल 1992 में इस कंपनी ने अपना आईपीओ स्टॉक मार्केट में लॉन्च किया। इसके बाद दुनिया भर में कई बड़ी कंपनियां इंफोसिस द्वारा बनाए सॉफ्टवेयर का उपयोग करने लगीं। यही नहीं इस दौरान कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन भी काफी तेजी से बढ़ने लगा था। साल 1999 में इंफोसिस पर लिस्ट होने वाली भारत की पहली कंपनी बनी। लिस्ट होने के तुरंत बाद इस कंपनी की मार्केट कैपिटलाइजेशन एक अरब डॉलर के बैंचमार्क को पार कर दिया। साल 2002 में नंदन नीलेकणि को कंपनी का सीईओ बनाया गया।

### मनमोहन सिंह ने दी थी 'आधार' प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी

नंदन नीलेकणि की इसी काबिलियत को देखते हुए साल 2009 में तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने उन्हें यूआईडीएआई प्रोजेक्ट का चेयरमेन बनने के लिए आमंत्रित किया। नंदन ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। डिजिटल इंडिया को आकार देने में यूआईडीएआई एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। आज दुनियाभर में आधार को सबसे बड़े बायोमीट्रिक सिस्टम के रूप में जाना जाता है। आधार कार्ड आने के बाद आज कई सरकारी सेवाओं को बेहद ही कम समय में लोगों तक पहुंचाना संभव हो पाया है।

## कौन हैं नंदन नीलेकणि?

**डिजिटल** इंडिया को गति देने में आज आधार कार्ड ने एक बड़ी भूमिका निभाई है। आधार हमारे देश का काफी जरूरी दस्तावेज बन गया है। देश के 130 करोड़+ लोगों के पास आज आधार है। इंस्टेंट बैंक अकाउंट या डीमैट अकाउंट खुलवाना हो, डिजी लॉकर, ओटीपी सिक्योरिटी, सरकार द्वारा लोगों को डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर द्वारा दी जा रही सब्सिडी आदि कई जरूरी सेवाओं को सरकार आधार कार्ड की मदद से ही लोगों तक पहुंचा पा रही है। आधार कार्ड आने के बाद सरकारी सिस्टम में एक पारदर्शिता आई है। नंदन नीलेकणि वही शख्स हैं, जिन्होंने देश को आधार कार्ड जैसी अहम सुविधा देकर डिजिटल इंडिया की तरफ कदम बढ़ाने में मदद की। इतना ही नहीं आज यूपीआई, फास्टैग, जीएसटी जैसी टेक्नोलॉजी देकर डिजिटल इंडिया की बुनियाद रखने में भी उनका बड़ा योगदान है।

### नंदन नीलेकणि का शुरूआती जीवन?

नंदन नीलेकणि का जन्म देश के आईटी हब कहे जाने वाले बेंगलुरु शहर में 2 जून, 1955 को हुआ था। इनकी शुरूआती पढ़ाई बिशप कॉटन बॉय स्कूल में हुई। वहीं इन्होंने अपने हाई स्कूल की पढ़ाई सेंट जॉसेफ हाई स्कूल से पूरी की। उसके बाद नंदन नीलेकणि ने अपने इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग की पढ़ाई आईआईटी बॉम्बे से पूरी की।

खास बात यह है कि उन्होंने बिना किसी कोचिंग के दम पर आईआईटी बॉम्बे में दाखिला पाया था।

**नारायण मूर्ति के साथ मिलकर की इंफोसिस की शुरूआत**

साल 1978 में उनकी मुलाकात नारायण मूर्ति से होती है। इन दोनों की मुलाकात के बाद ही इंफोसिस की शुरूआत हुई। ये 80 का दशक था। उस दौरान आज के मुकाबले भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप काफी अलग था। इस दौर में किसी स्टार्टअप का ग्रो करना काफी मुश्किल काम था। करीब 10 वर्षों तक इंफोसिस काफी मुश्किल हालातों में चलती रही। वहीं साल 1991 में भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए मेजर रिफॉर्म ने मानों इंफोसिस को एक नया रास्ता दे दिया हो।

# आम लोगों के हित के लिए काम करें आयकर अधिकारी: निर्मला सीतारमण

**मुंबई**

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को आयकर अधिकारियों से कहा कि वे आम जनता को दफ्तरों के चक्कर न कटवाएं और बिना अनावश्यक देरी के उन्हें समय पर और संवेदनशील सेवाएं प्रदान करें। केंद्रीय वित्त मंत्री ने मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित 13 मंजिला आयकर सिंधु भवन के उद्घाटन अवसर पर आयकर विभाग के अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने अधिकारियों से आम नागरिकों के हित में कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि लोगों को अपने वैध कार्यों के लिए दर-दर भटकने पर मजबूर नहीं होना चाहिए। सीतारमण ने अधिकारियों से नियमों के दायरे में रहते हुए जनता के कार्यों का समयबद्ध और संवेदनशील तरीके से निपटारा करने का आग्रह किया। सीतारमण ने कहा कि इस भवन के निर्माण के लिए जरूरी अनुमतियां प्राप्त करने में स्वयं आयकर विभाग के अधिकारियों को भी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। विभाग के अधिकारी ऐसी कठिनाइयों का अनुभव कर सकते हैं तो उन्हें आम नागरिकों की समस्याओं का भी बेहतर ढंग से एहसास होना चाहिए।


Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

## कैशलेस चिकित्सा योजना का हुआ शुभारंभ, शिक्षकों को वितरित किए गए कैशलेस चिकित्सा कार्ड

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बिजनौर,** मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ के अवसर पर आज कलक्ट्रेट सभागार में सजीव प्रसारण कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में जनपद के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकों तथा संबंधित अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सजीव प्रसारण देखा।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। प्रदेश सरकार उनके स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना लागू कर रही है। इस योजना के माध्यम से शिक्षकों एवं उनके पात्र आश्रितों को सूचीबद्ध चिकित्सालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं कैशलेस उपचार की सुविधा प्राप्त होगी, जिससे उन्हें आकस्मिक अथवा गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक चिंता से मुक्ति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यह योजना शिक्षकों के सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। सभी पात्र शिक्षकों को योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक औपचारिकताएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने तथा अधिक से अधिक शिक्षकों को इस योजना से जोड़ने के निर्देश भी दिए।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी द्वारा अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के पात्र शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए।

शिक्षकों ने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे उनके स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, डीसी जी राम जी आरबी यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता, संबंधित विभागों के अधिकारी, महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहें।

## 7 किलो गांजा सहित 2 अभियुक्त गिरफ्तार

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बुलंदशहर।** वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे।



अभियान के तहत रविवार को थाना सिकन्द्राबाद पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान 2 अभियुक्तों साहिल उर्फ साकिब पुत्र अलाउद्दीन निवासी ग्राम मौहम्मदपुर कलां थाना सिकन्द्राबाद जनपद बुलन्दशहर, आसिफ पुत्र मतलूब निवासी उपरोक्त को सन्तपुरा गंगनहर के पुल के पास से 7 किलो ग्राम अवैध गांजा सहित गिरफ्तार किया गया है।

## दो शातिर चोर गिरफ्तार, कब्जें से चोरी का बैट्रा बरामद

**बुलंदशहर।** एसएसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत रविवार को थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान अडौली तिराहे के पास से 2 शातिर चोरो वसीम पुत्र मौहम्मदीन निवासी रोडवेज बस स्टैण्ड के पीछे आनन्द विहार कालोनी न्यू साठा थाना कोतवाली नगर जनपद बुलन्दशहर. प्रमोद पुत्र शंकर निवासी उपरोक्त को चोरी किये गये बैट्रा सहित गिरफ्तार किया गया।

## कप्तान के निर्देश पर हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन एवं चेकिंग अभियान चलाया गया

**स्वाती मिश्रा**

**सबसे तेज प्रयागराज**



**कौशांबी।** पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन में रविवार को जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में थाना प्रभारियों एवं हल्का प्रभारियों द्वारा हिस्ट्रीशीटरों का सघन सत्यापन एवं चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान हिस्ट्रीशीटरों के निवास स्थान पर पहुंचकर उनकी वर्तमान स्थिति का सत्यापन किया गया तथा उनके आय के स्रोत, गतिविधियों एवं जमानतदारों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि वे किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्त न हों।

पुलिस अधिकारियों द्वारा हिस्ट्रीशीटरों को भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्त न होने की कड़ी हिदायत दी गई तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु सहयोग करने के निर्देश दिए गए। उन्हें आगाह किया गया कि यदि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्तता पाई जाती है तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

जनपद पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से इस प्रकार के सत्यापन एवं चेकिंग अभियान निरंतर चलाए जा रहे हैं।

## एसपी ने रात्रि भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

**सबसे तेज प्रयागराज**



**कौशांबी।** जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा रात्रि में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा रात्रि गश्त पर निकली पुलिस टीमों तथा विभिन्न स्थानों पर पिकेट ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों की चेकिंग की गई। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सतर्कता एवं मुस्तैदी का जायजा लेते हुए संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की प्रभावी चेकिंग, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने, निरंतर भ्रमणशील रहने तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

## बिंदकी में शराब ठेके पर हुई लूट का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, 22 पेटी देशी शराब व 62 बीयर कैन बरामद

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फतेहपुर।** थाना बिंदकी पुलिस, सर्विलांस सेल एवं एसओजी टीम की संयुक्त कार्रवाई में शराब ठेके पर हुई लूट की घटना का सफल खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे एवं निशानदेही पर लूटी गई 990 देशी शराब के पौवे (22 पेटी) तथा 62 किंगफिशर बीयर के कैन बरामद किए हैं। घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी सीज कर दी गई है।




पुलिस के अनुसार, 8/9 जुलाई 2026 की रात थाना बिंदकी क्षेत्र के नरैचा-अरईपुर घेरवा स्थित देशी शराब ठेके पर अज्ञात बदमाशों ने चौकीदार को बंधक बनाकर ठेके की दीवार तोड़ दी थी और वहां से बड़ी मात्रा में देशी शराब एवं बीयर लूट ले गए थे। मामले में थाना बिंदकी में मुकदमा संख्या 234/2026 के तहत संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बिंदकी के नेतृत्व में थाना बिंदकी पुलिस, सर्विलांस सेल और एसओजी टीम ने तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर 26 जुलाई 2026 को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों की निशानदेही पर लूटी गई शराब और बीयर बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) तथा आबकारी अधिनियम की धारा 60 की बढ़ोतरी की गई। घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (UP71BK8926) को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया।

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने२ अन्य साथी सूरज सोनकर और सुन्दर सोनकर के साथ मिलकर पूर्व नियोजित योजना के तहत शराब ठेके पर लूट की वारदात को अंजाम दिया था।

घटना के बाद लूटी गई शराब और बीयर को पहले खेतों में छिपाया गया, फिर आपस में बांटकर बिक्री के उद्देश्य से शिवजीत के घर के बाहर बने टीनशेड वाले कमरे में रख दिया गया। आरोपी निजी मोटरसाइकिल से शराब और बीयर की बिक्री कर रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान लूटा गया माल एवं घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर ली। फरार आरोपियों सूरज सोनकर एवं सुन्दर सोनकर की तलाश जारी है।

## किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की एएसपी ने की अपील

### एएसपी ने आगामी श्रावण मास कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जत्था संयोजकों के साथ किया बैठक



**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी ।** पुलिस कार्यालय स्थित दुर्गा भाभी सभागार में आगामी श्रावण मास/कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराए जाने के उद्देश्य से अपर पुलिस अधीक्षक श्रीमती अमिता सिंह द्वारा जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से निकलने वाले कांवड़ जत्थों के संयोजकों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संबंध में शासन द्वारा निर्धारित मानकों का पालन करने, किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा जत्था संयोजकों से यात्रा के दौरान आपसी समन्वय बनाए रखने, अनुशासन का पालन करने तथा किसी भी प्रकार की समस्या अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को देने के लिए कहा गया। उन्होंने सभी से प्रशासन का सहयोग करते हुए श्रावण मास/कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की अपील की।

बैठक में उपस्थित सभी जत्था संयोजकों द्वारा पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया।

## चोरी के तीन वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, नगदी बरामद

**सबसे तेज प्रयागराज**




**कौशांबी ।** 24 जुलाई को थाना करारी पर वादी दिलीप कुमार पुत्र केदारनाथ केशरवानी निवासी मीरापुर थाना करारी जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि प्रार्थी के घर से बीती रात अज्ञात चोरो द्वारा घर में रखे जेवर व रुपये चोरी कर लिया गए हैं । रविवार को थाना करारी पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी/सर्विलांस की मदद से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आये 3 अभियुक्त धीरेन्द्र कुमार पुत्र मुलुक राज .मनीष पुत्र जगन्नाथ, संदीप कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी बिरौली थाना चरवा जनपद कौशाम्बी को मुखबिर खास की सूचना के आधार पर अर्काफतेहपुर से म्यौहर जाने वाली रोड से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तों के कब्जे से 11550 रुपये बरामद किया गया ।

## कारगिल विजय दिवस हमारे लिए गर्व का दिवस है ◆ गौरव पाण्डेय

**ब्यूरो चीफ**

**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशाम्बी।** चायल विधानसभा अन्तर्गत नगर पंचायत चरवा में कारगिल विजय दिवस के मौके पर शहीद चंद्रमणि स्थल पर शहीद जवानों के सर्वोच्च बलिदान का स्मरण करते हुए कांग्रेसियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की ! इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि यह दिन यह दिन वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान पर भारतीय सेना की ऐतिहासिक जीत और ?ऑपरेशन विजय की सफलता की याद दिलाता है। इस युद्ध में हमारे सैनिकों ने बेहद कठिन और बर्फीली पहाड़ियों पर अदम्य साहस का परिचय दिया था।

आज इस दिन युद्ध में शहीद जवानों के बलिदान को याद करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की । हिन्दुस्तान उनकी शहादत का सदैव कर्जदार रहेगा। आज बार्डर पर जवानों की तत्परता से हम सब सुरक्षित है।

**कार्यक्रम में मुख्य रूप से** पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष राम सूरत रैदास,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला,जिला सचिव जयप्रकाश जायसवाल,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय,व्यापार मंडल अध्यक्ष कैलाश केसरवानी,सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महेंद्र मिश्रा,ब्लाक अध्यक्ष सिराथू प्रियांशू त्रिपाठी,अरुण सिंह,इंद्रपाल रैदास,राकेश पाल,विकास पाल,अमित पाण्डेय,रोहित पाण्डेय,राहुल यादव,बिरेंद्र यादव,सहित तमाम कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

## पुलिस द्वारा आत्महत्या के लिए उकसाने का अभियुक्त गिरफ्तार

**सबसे तेज प्रयागराज**




**फतेहपुर ।** पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी एवं अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना असोथर पुलिस द्वारा आत्महत्या से संबंधित वांछित अभियुक्त महेश पुत्र रामबररन पासवान निवासी पासिन का डेरा मजरे सरकण्डी थाना असोथर जनपद फतेहपुर उम्र 27 वर्ष को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

## मंझनपुर पुलिस द्वारा चोरी का अभियुक्त अवैध तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की बाइक व मोबाइल बरामद

**सबसे तेज प्रयागराज**




**कौशांबी।** शनिवार को थाना मंझनपुर पर वादी श्रवण कुमार पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी टेवा थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि बीती रात अज्ञात चोर द्वारा घर में घुसकर प्रार्थी का मोबाइल व मोटर साइकिल चोरी कर ली गई हैं।

रविवार को थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों/व्यक्तियों कि चेकिंग की जा रही थी कि इसी दौरान एक मोटर साइकिल सवार को रोकने का प्रयास किया गया, जिससे मोटर साइकिल सवार बाइक मोड़कर भागने लगा जिसको घेर कर पकड़ लिया गया । पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम नरवद पुत्र हीरालाल निवासी टेवा थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी बताया गया । अभियुक्त की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 01 अदद तमंचा 315 बोर, 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया ।

## भव्य शहीद स्तंभ और शौर्य वाटिका, निर्माण हेतु पालिका अध्यक्ष ने किया भूमि पूजन

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बिजनौर।** नगर पालिका परिषद बिजनौर द्वारा देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिकों की स्मृति में एक भव्य शहीद स्तंभ और 'शौर्य वाटिका' का निर्माण कराया जाएगा। बैराज रोड स्थित इंदिरा पार्क के बाहर इस भव्य शहीद स्तंभ के निर्माण के लिए पालिका अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सिंह, भाजपा नेता डॉ. बीरबल सिंह और मेजर अभिनव सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन किया।

भूमि पूजन का संचालन पंडित चेतन शर्मा ने किया।इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सिंह ने कहा कि नगर में वीर सैनिकों की याद में इस भव्य शहीद स्थल का निर्माण किया जाना उनके लिए बेहद गौरव की बात है।



देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को याद करने का इससे बेहतर और कोई माध्यम नहीं हो सकता।

भूमि पूजन कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कप्तान अनिल कुमार गुप्ता, सैनिक अरविंद लांबा, सभासद संजय बिश्नोई, मनोरमा शर्मा, बबीता चौधरी, अमित ठाकुर, हितेश सैनी, आदिल, प्रभाकर, अभिषेक राणा, राजवीर सिंह, कासिम साहू, ब्रह्मपाल सिंह, राम अवतार सिंह, शमशाद अहमद, सुरेंद्र सिंह, वंदना अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, मनोज कुमार मनी और हितेश सैनी मौजूद रहे।

पालिका प्रशासन की ओर से अधिशासी अधिकारी (एड) रामपाल सिंह यादव, सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी, अवर अभियंता यशवंत सिंह, गौरव शर्मा, कर अधीक्षक नरेंद्र पाल यादव और सुंदरलाल सहित कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

## चोरी की घटना का खुलासा अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी गई एसी एवं घटना में प्रयुक्त उपकरण बरामद

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फतेहपुर।** शुक्रवार को इण्डस मोबाइल टावर लिमिटेड की सहयोगी कंपनी के टेक्नीशियन द्वारा थाना खागा पर मोबाइल टावर से एसी चोरी होने की सूचना दी गई। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में थाना खागा पुलिस ने प्रभावी सुरागरसी एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर रविवार को संवत पुलिया के पास से अभियुक्त रोहित विश्वकर्मा निवासी ग्राम टेनी, थाना खागा को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी गई ओ़ू-09ळफएसी, घटना में प्रयुक्त कटर, प्लास, पेचकस, 06 रिंच, 05 पाना, मल्टीमीटर, विभिन्न प्रकार की चाबियां तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि मोबाइल टावरों पर तकनीकी कार्य करने के दौरान मिली जानकारी का लाभ उठाकर उसने अपने एक साथी के साथ टावर परिसर में प्रवेश कर एसी चोरी की थी तथा उसे बेचने के उद्देश्य से छिपाकर रखा था। उसका साथी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

## तमंचा व कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

**सबसे तेज प्रयागराज**

**कौशांबी।** जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में को थाना पिपरी पुलिस द्वारा क्षेत्र में गस्त/चेकिंग की जा रही थी कि इसी दौरान मुखबिर खास की सटीक सूचना के आधार पर अभियुक्त अमन पुत्र अरुण निवासी समसपुर थाना चरवा जनपद कौशाम्बी को मखऊपुर तिराहा से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 01 अदद तमंचा 315 बोर, 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया ।

## संदीपनघाट पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्ता गिरफ्तार

**कौशांबी ।** एसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना संदीपनघाट पुलिस टीम द्वारा पाक्सो एक्ट थाना पुरामुफ्ती जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त नरेश पुत्र मुन्नीलाल निवासी मलाक मोहिद्दीनपुर थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

## उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन की बैठक में प्रताप सिंह को सौंपी गई संरक्षक की जिम्मेदारी

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बिजनौर।** नजीबाबाद नगर के स्टेशन रोड स्थित मैसर्स अमीश इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रतिष्ठान पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन की एक महत्वपूर्ण सभा आयोजित की गई। सभा के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ रहे, जिनका व्यापारियों ने फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ ने




अमीश इलेक्ट्रॉनिक्स के स्वामी एवं सेवानिवृत्त आयकर अधिकारी प्रताप सिंह को मनोनयन पत्र और फूल-मालाएं भेंट कर स्टेशन रोड व्यापार इकाई का संरक्षक मनोनीत किया। इस दौरान "व्यापार संगठन जिंदाबाद" के नारों के साथ प्रताप सिंह का जोरदार स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष कपिल सर्राफ ने कहा कि प्रताप सिंह के संगठन से जुड़ने से व्यापारियों को नई ताकत मिलेगी और संगठन को और मजबूती प्राप्त होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंकज वर्मा ने की तथा संचालन नईम टाटा ने किया। इस अवसर पर मुकीम कुरैशी, रईस कुरैशी, शेर अली, सुशील कुमार, मोहम्मद आसिफ, दीपांशु वर्मा, मोहम्मद जावेद, धीरज झा, मोहम्मद आसिफ, दानिश अंसारी, मोहम्मद शाकिब सहित सैकड़ों व्यापारी उपस्थित रहे।

# उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोरांव में किया कार्यकताओं से संवाद

## मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को सौंपी चाभी

**सबसे तेज प्रयागराज**

**सोरांव।** सपा फर्जी पीडीए की बात करती है ये सत्ता में आने के लिए बेकरार है पर 2027 हर हाल में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी डबल इंजन की भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक विकास कार्य किया है सोरांव मेरी कर्म भूमि है मै आऊं तो बीच में हूं न आऊँ तो भी आपके बीच में हूं 2014 के लोकसभा चुनाव में हर विधानसभा में 50000 से अधिक वोटो से मुझे यहां की जनता ने सांसद बनाया 2017 से पहले पूरे प्रदेश में गुंडागर्दी चरम पर थी युवाओं महिलाओं किसानों की तमाम कल्याणकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार होता था 2017 मे सोरांव फाफामऊ फुलपुर तो जीते पर हंडिया और प्रतापपुर हार गए 2027 पांचों विधानसभा जीतना है। सोरांव विधानसभा अभी अपना दल के पास है पर इसको भी भाजपा के कोटे में लाने के लिए मै चर्चा कर रहा हूं सोरांव से प्रतापगढ़ जाने पहले 2 घंटा लगता था पर आज 40 मिनट में हम वहां पहुंच रहे हैं सड़को का जाल बिछाया जा रहा है हर घर तक सड़क बनाई जाएगी बिना किसी भेदभाव के घर घर जल पहुंचाया जा रहा है कोई जाति

धर्म का हो भाजपा सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धांत पर काम करती है पिछली सरकार में 8 घंटे बिजली मिलती थी पर आज 18 घंटे बिजली मिल रही हैं सपा सरकार में जो पैसा विकास के लिए आता था उसी सैफई महोत्सव में लगा दिया जाता था। आने वाले विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की जनता इनको जवाब देगी यह बातें उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोरांव में कार्यकताओं के संवाद करते हुए कही इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश मौर्या, जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान, एमएलसी सुरेन्द्र चौधरी,विधायक गुरु प्रसाद मौर्या, पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडेय पूर्व जिलाध्यक्ष कविता पटेल कन्हैया लाल पांडेय, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, मंडल अध्यक्ष संजीव द्विवेदी, सुशील महराज,संचालन जिला महामंत्री मनोज निषाद ने किया तथा पुरुषोत्तमपुर और गारापुर में गौतम बुद्ध,डॉ भीम राव अम्बेडकर, महाराणा प्रताप सिंह, संत गाडगे आदि महान विभूतियों की प्रतिमा का लोकार्पण किया तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत लाभार्थियों को सभी सौंपी इस अवसर पर मुख्य रूप से विधायक फूलपुर दीपक पटेल जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान, ब्लॉक प्रमुख डब्बू यादव, पार्षद अरुण कुमार मिश्रा,एसीपी थरवई अरुण पराशर, विनय तिवारी, अनिल पटेल सहित थानाध्यक्ष थरवई संतोष पांडेय आदि मौजूद रहे। तथा सहसों ब्लॉक के नव सृजित भवन का लोकार्पण भी किया।

## पेड़ से लटका मिला शव, पोस्टमार्टम के लिए भेजा

**20 वर्षों से रिश्तेदार के साथ रह रहा था मृतक**

**संजीव विश्वकर्मा**

**सबसे तेज प्रयागराज**

**बिजनौर।** स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव नौगरा में रविवार सुबह आम के पेड़ से 49 वर्षीय मूकबधिर व्यक्ति का शव लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मौत के कारणों की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह गांव नौगरा निवासी विशाल पुत्र भूपेंद्र ने पुष्पेंद्र पुत्र बलवीर सिंह को सूचना दी कि उनके खेत में खड़े आम के पेड़ पर उनके रिश्तेदार का शव लटका हुआ है। सूचना मिलते ही पुष्पेंद्र मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

मृतक की पहचान लोकेश (49) पुत्र होशियार सिंह निवासी गांव नांगलजट, थाना हल्दौर के रूप में हुई। बताया गया कि लोकेश मूकबधिर था और उसके परिवार में कोई सदस्य जीवित नहीं बचा था। इसी कारण वह पिछले करीब 20 वर्षों से अपने रिश्तेदार पुष्पेंद्र के घर रह रहा था।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

## फूलपुर में सिपाही का शव घर पहुंचते ही मचा कोहराम

**फतेहपुर में तैनाती के दौरान सीएम के कार्यक्रम में जाते समय दुर्घटना में हुई मौत**

**मौजी लाल रावत**

**सबसे तेज प्रयागराज**

**फूलपुर।** फूलपुर थाना क्षेत्र के सराय शेकपीर उर्फ सलमापुर दीवानगंज गांव निवासी रामप्रवेश उम्र 45 वर्ष पुत्र गिरधारी लाल इन दिनों फतेहपुर जनपद के धाता थाना में बतौर हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात थे। बताया जाता है की। शनिवार को सुबह लगभग 8 बजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में ड्यूटी करने मोटर साइकिल से जा रहे थे। की रास्ते में एक डम्फर वाहन से जोर दार टक्कर मार दिया। जिससे मौके पर ही उक्त सिपाही की मौत हो गई। घटना को देखते हुए आस पास के लोगो की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना सम्बन्धित थाने में पहुंचा तो हड़कंप मच गया। विभागी अधिकारियों द्वारा घटना की जानकारी घर पहुंची तो कोहराम मच गया। मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोसमार्डम के लिए भेज दिया। परिजन भी घटना की सूचना पाते ही फतेहपुर पोसमार्डम हाउस पहुंच गए। शव के पोसमार्डन के बाद देर रात सरकारी वाहन से शव फूलपुर थाना के सराय शेकपीर उर्फ सलमापुर दीवानगंज पहुंचा तो घर में कोहराम मच गया। आस पास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। पत्नी अनारा देवी,पुत्री शिल्पा, शिवानी , शालिनी, वा पुत्र अरनव दस वर्ष सहित परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। रविवार सुबह उक्त मृतक सिपाही का अंतिम संस्कार छतनाग घाट पे पुलिस फोर्स के बीच सलामी देकर किया गया।

## सरल स्वभाव की रही चर्चा

**फूलपुर।** फूलपुर थाना अंतर्गत सराय शेकपीर उर्फ सलमापुर दीवानगंज निवासी मृतक सिपाही रामप्रवेश 45 वर्ष का सरल स्वभाव वा लोगो के बीच का अपना पन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना है। हजारों लोगों के जुबान से एक ही शब्द निकलता है की। सिपाही के पद पर तैनात होते हुए भी सरल स्वभाव होने के नाते सभी से मिलनसार का स्वभाव आपसी चर्चा का विषय बना हुआ है। घर की जिम्मेदारियों का निर्वहन करने वाला व्यक्ति दुनिया छोड़ कर चला गया। बड़ी पुत्री शिल्पा की शादी के बाद अभी दो पुत्री एवं एक पुत्र की शादी बाकी है।

## हत्या का वांछित आरोपी दबोचा गया

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज ।** पुलिस उपायुक्त गंगानगर के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव के कुशल नेतृत्व में गंगानगर जोन के थाना सोरांव पर पंजीकृत मुकदमा से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अफसार अहमद पुत्र वकार अहमद निवासी महरौड़ा थाना मऊआइमा कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सोरांव पुलिस टीम द्वारा रविवार को थाना सोरांव क्षेत्रान्तर्गत लूशनपुर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्त द्वारा अपने परिवार-जनों के साथ मिलकर मुकदमा वादी की पुत्री को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करते हुए हत्या कर देने के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सोरांव पर पंजीकृत किया गया था ।

**गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम**

निरीक्षक श्रवण कुमार, उ0नि0 आलोक कुमार गौड़. उ0नि0 सूरज राठी. उ0नि0 लल्लन सिंह, थाना सोरांव कंमिश्नरेट प्रयागराज ।

## झगड़े के बाद दो सगी बहनों ने नए यमुना पुल से लगाई छलांग, जल पुलिस ने बचाई जान

**आपसी विवाद के बाद गुस्से में उठाया कदम, नए यमुना पुल के अलग-अलग छोर से कूदीं दोनों किशोरियां**

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** कीडगंज थाना क्षेत्र में रविवार सुबह दो सगी बहनों ने आपसी झगड़े के बाद नए यमुना पुल से नदी में छलांग लगा दी। पुल के नीचे तैनात जल पुलिस की सतर्कता से दोनों किशोरियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना से पुल पर कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई। पुलिस के अनुसार धरकार बस्ती निवासी 15 से 17 वर्ष आयु की दो सगी बहनों के बीच रविवार सुबह किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। गुस्से में दोनों नए यमुना पुल पर पहुंचीं और पुल के अलग-अलग छोर से यमुना में छलांग लगा दी। दोनों को नदी में गिरता देख राहगीरों ने शोर मचाया।

सूचना मिलते ही पुल के नीचे ड्यूटी पर मौजूद जल पुलिस की टीम ने तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनों किशोरियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद कीडगंज पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने दोनों से पूछताछ करने के बाद उनके परिजनों को थाने बुलाया और समझाइश देकर उनके सुपुर्द कर दिया।

कीडगंज थाना प्रभारी प्रीतम तिवारी ने बताया कि दोनों बहनों ने आपसी विवाद के बाद यह कदम उठाया था। समय रहते जल पुलिस की सक्रियता से दोनों की जान बच गई।

## यमुना में डूबने से किशोर की मौत, तीन घंटे बाद मिला शव

**बलुआघाट पर दोस्तों के साथ स्नान के दौरान हादसा, इकलौते बेटे की मौत से परिवार में मचा कोहराम**

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र के बलुआघाट पर रविवार दोपहर यमुना में स्नान के दौरान 15 वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों और स्थानीय नाविकों की मदद से करीब तीन घंटे की तलाश के बाद उसका शव बरामद किया।

खुल्दाबाद सब्जी मंडी निवासी सीपू केसरवानी का 15 वर्षीय बेटा वैभव केसरवानी अपने तीन दोस्तों के साथ बलुआघाट पर स्नान करने गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर करीब दो बजे स्नान करते समय वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। देखते ही देखते वैभव यमुना की गहराई में समा गया।

दोस्तों के शोर मचाने पर घाट पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही मुट्ठीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों व स्थानीय नाविकों की मदद से तलाश अभियान शुरू कराया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी घाट पर पहुंच गए। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद शाम करीब पांच बजे वैभव का शव बरामद कर लिया गया।

शव मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। बताया गया कि वैभव अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। वह घर से भंडारे में जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन कुछ देर बाद उसके यमुना में डूबने की सूचना मिलने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

## ब्रेकर पर उछलकर गिरे राजगीर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

**धूमनगंज क्षेत्र में काम से लौटते समय हुआ हादसा, पुलिस ने बाइक नंबर से की पहचान**

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** धूमनगंज थाना क्षेत्र में सड़क पर बने ब्रेकर से बाइक उछलने के कारण गिरे एक राजगीर की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने बाइक के नंबर के आधार पर मृतक की पहचान कर स्वजन को जानकारी दी। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के पंतरवा निवासी 60 वर्षीय रामा प्रसाद पुत्र अमृत लाल राजगीर का काम करते थे। रविवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे वह काम से बाइक से घर लौट रहे थे। एनसीआर के सामने सड़क पर बने ब्रेकर से उनकी बाइक उछल गई, जिससे वह अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची धूमनगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बाइक के नंबर से मृतक की पहचान कर परिजनों को सूचना दी। रामा प्रसाद के परिवार में पत्नी रम्मी देवी और तीन बेटे हैं। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

# कारगिल विजय दिवस पर अमर शहीद लांस नायक विजय शुक्ल को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रतापगढ़।** कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विकासखंड कुंडा क्षेत्र के बेधन गोपालपुर गांव में अमर शहीद लांस नायक विजय शुक्ल की 27वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया गया।

श्रद्धांजलि सभा में यातायात निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय ने शहीद विजय शुक्ल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि

कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूत सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे।

कार्यक्रम में ग्राम प्रधान धर्मराज पटेल, चौकी प्रभारी अवधेश सिंह, श्यामलाल बहेरी, राज कपूर बहेरी, संजय बहेरी, संदीप बहेरी, कप्तान बहेरी सहित समस्त बहेरी परिवार, गांव के गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नितीश शुक्ल, रजीत कुमार, प्रदीप दुबे सहित अन्य लोगों ने भी अमर शहीद विजय शुक्ल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सेना के सभी अमर वीरों को नमन किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने शहीदों की अमर गाथा को स्मरण करते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं देशभक्ति के प्रति सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।

# 15 अगस्त को लालगोपालगंज चौराहे पर होगा ध्वजारोहण

## व्यापार मंडल की बैठक में लिया गया निर्णय

**सबसे तेज प्रयागराज**

**लालगोपालगंज, प्रयागराज।** लालगोपालगंज व्यापार मंडल की बैठक सोमवार को व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव पारित किए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालगोपालगंज चौराहे पर भव्य ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के व्यापारी, गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में

शामिल होंगे। बैठक में फाफामऊ विधानसभा के लोकप्रिय विधायक गुरु प्रसाद मौर्य के प्रति आभार व्यक्त किया गया । व्यापारियों ने कहा कि विधायक के प्रयासों से जेठवारा रोड स्थित रेलवे फाटक पर आए दिन लगने वाले जाम की समस्या के स्थायी समाधान के लिए रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिससे क्षेत्रवासियों और व्यापारियों को भविष्य में यातायात जाम से राहत मिलेगी।

बैठक में क्षेत्र के विकास, व्यापारिक हितों एवं आगामी कार्यक्रमों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। व्यापारियों ने नगर के विकास कार्यों में सहयोग का संकल्प लेते हुए स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। बैठक में राकेश कुमार केसरवानी (पूर्व सभासद), सीताराम कौशल, जौवार अहमद, मुजाहिद फारुकी, अब्दुल वासे अंसारी, मंसूर अहमद, मुमताज अहमद सहित व्यापार मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

## सीआरपीएफ के दरोगा का तालाब में मिला शव, चेहरे पर चोट के निशान; हत्या की आशंका

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** सराय इनायत थाना क्षेत्र के कोटवा गांव में रविवार सुबह सीआरपीएफ के एक दरोगा का शव घर के पास स्थित तालाब में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के चेहरे पर चोट के निशान मिलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोटवा गांव निवासी चंदन सिंह उर्फ बिंटू (46), पुत्र महेंद्र प्रताप सिंह, सीआरपीएफ में सब-इंस्पेक्टर (एसआई) के पद पर तैनात थे। वर्तमान में उनकी तैनाती ग्रुप सेंटर पड़िला, फाफामऊ में थी। वह शुक्रवार को अपनी मां का इलाज कराने के लिए अवकाश लेकर घर आए थे।

परिजनों के अनुसार शनिवार शाम चंदन गांव के चौराहे पर जाने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। काफी तलाश के बावजूद उनका कोई पता नहीं चल सका।

रविवार सुबह घर के पास स्थित महुआ सागर तालाब में उनका शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। उनकी स्कूटी तालाब के दूसरे किनारे सड़क पर खड़ी मिली। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार गौतम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को तालाब से बाहर निकलवाया।

मृतक के चेहरे पर चोट के निशान मिलने से परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मौत के कारणों की जांच की जा रही है।

घटना की जानकारी मिलने पर सीआरपीएफ के द्वितीय कमांड अधिकारी अमित सक्सेना भी जवानों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

# बमरौली बमबाजी के चार नामजद अब भी फरार २१ दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली, तीन आरोपी जा चुके हैं जेल

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** पूरामुफ्ती के बमरौली गांव में प्रॉपर्टी डीलर की थार पर बमबाजी और फायरिंग के सनसनीखेज मामले में २१ दिन बाद भी चार नामजद आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। फरार आरोपियों में अतीक अहमद के शूटर आबिद प्रधान के रिश्तेदार भी शामिल हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से पीड़ित परिवार दहशत में है और उसने अपनी जान को खतरा बताया है।

पुलिस के अनुसार मामले में नामजद शोएब, अबू तलहा, दानिश और शमशुलऐन अब भी फरार हैं। वहीं, ७ जुलाई को सलीम तथा ८ जुलाई को एहतेशाम और अबू उजैफा को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। तीनों पर पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

जांच में सामने आया है कि फरार दानिश, अतीक के शूटर आबिद प्रधान का दामाद है शमशुलऐन के खिलाफ आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। उधर, आरोपी अबू तलहा ने अग्रिम जमानत के लिए अदालत में अर्जी दाखिल की है, जिस पर मंगलवार को सुनवाई होनी है।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपियों पर बीते पांच महीनों में तीन मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। २६ फरवरी को नमाज पढ़कर लौट रहे दो सगे भाइयों पर हमले और ३० मई को झपिया गांव में एक युवक पर हमले के आरोप में भी इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। गौरतलब है कि ५ जुलाई की शाम करीब साढ़े छह बजे बमरौली गांव में हमलावरों ने प्रॉपर्टी डीलर मशरूर की थार गाड़ी को निशाना बनाते हुए बम फोड़े और ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। घटना में गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई थी। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। पीड़ित मशरूर का आरोप है कि हमलावरों ने राइफल, तमंचों और बमों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें जान से मारने की नीयत से हमला किया। हालांकि गिरफ्तार आरोपी सलीम ने पूछताछ में तमंचे से फायरिंग करने की बात स्वीकार की है। पूरामुफ्ती थाना प्रभारी अविनाश कुमार सिंह ने बताया कि चारों फरार नामजद आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। एक आरोपी की ओर से अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की गई है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

# डेन्जर जोन-2225 गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार, चोरी की दो बाइक व 900 रुपये बरामद

**सबसे तेज प्रयागराज**

**प्रयागराज।** हण्डिया थाना पुलिस ने चोरी और छिनैती की घटनाओं में सक्रिय "डेन्जर जोन-2225" गैंग के दो वांछित सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे और निशानदेही पर चोरी व छिनैती की दो मोटरसाइकिल तथा छिनैती के मोबाइल को बेचने से प्राप्त 900 रुपये बरामद किए हैं।

पुलिस आयुक्त एवं अपर पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत डीसीपी गंगानगर, एडीसीपी गंगानगर तथा एसीपी हण्डिया के नेतृत्व में हण्डिया पुलिस ने शनिवार को भीटी ओवरब्रिज के पास से सूरज गौतम (20) निवासी किरांव तथा आकाश गौतम (21) निवासी होलापुर, थाना हण्डिया को गिरफ्तार किया। दोनों के कब्जे से थाना हण्डिया में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के मुकदमे से संबंधित एक बजाज प्लेटिना बाइक बरामद हुई।

पूछताछ और आरोपितों की निशानदेही पर थाना सुरियावां (भदोही) क्षेत्र से चोरी की गई एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। इसके अलावा थाना सरायममरेज क्षेत्र में हुई मोबाइल छिनैती के मामले में मोबाइल बेचने से मिले 900 रुपये भी बरामद किए गए। बरामदगी के आधार पर हण्डिया थाने

में दर्ज मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) की बढ़ोत्तरी करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, 22 जुलाई को ग्राम भीटी रम्मनपुर निवासी एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल चोरी होने के बाद मुकदमा दर्ज कर टीम गठित की गई थी। जांच के दौरान दोनों आरोपितों की गिरफ्तारी हुई।

पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे "डेन्जर जोन-2225" नामक गैंग के सदस्य हैं और योजनाबद्ध तरीके से चोरी, लूट व छिनैती की वारदातों को अंजाम देते थे। गैंग का संचालन अश्वनी भारतीया करता था, जिसे वारदात से मिले माल में हिस्सा दिया जाता था। आरोपितों ने स्वीकार किया कि हण्डिया क्षेत्र से चोरी की गई मोटरसाइकिल को बेचने के लिए भदोही ले गए थे, लेकिन ग्राहक न मिलने के कारण उसे बेच नहीं सके। पुलिस के मुताबिक, सूरज गौतम ने यह भी स्वीकार किया कि उसने गैंग के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर थाना सरायममरेज क्षेत्र में एक मोबाइल फोन की छिनैती की थी। मोबाइल को गैंग संचालक ने बेच दिया था, जिसमें मिले 1,500 रुपये में से 900 रुपये सूरज के पास से बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपितों के विरुद्ध प्रयागराज और भदोही के विभिन्न थानों में चोरी, छिनैती और अन्य आपराधिक मामलों के कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

गिरफ्तारी एवं बरामदगी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अनूप सरोज, उपनिरीक्षक रामायण सिंह, योगेश प्रताप सिंह, अनूप कुमार वर्मा तथा कांस्टेबल मनीष त्रिपाठी और रामस्वरूप चौहान शामिल रहे।

## संपादकीय

### कर-संस्कृतिः विकसित भारत का अदृश्य संविधान

राष्ट्र की शक्ति केवल मतगणना से नहीं, करगणना से भी मापी जाती है। मतपत्र नागरिक की राजनीतिक चेतना का प्रतीक है, तो आयकर रिटर्न उसकी आर्थिक निष्ठा का। विडंबना यह है कि मतदान पर व्यापक विमर्श होता है, पर कर-अनुशासन पर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखती। जबकि किसी भी आधुनिक राष्ट्र की स्थिरता का वास्तविक आधार उसकी कर-संस्कृति होती है। 24 जुलाई का आयकर दिवस इसी मौन सत्य का स्मरण कराता है कि राष्ट्र का भविष्य केवल बजट नहीं, बल्कि करोड़ों ईमानदार करदाताओं के निष्ठापूर्ण योगदान से आकार लेता है। विकसित भारत का आधार केवल नीतियाँ नहीं, बल्कि उत्तरदायी कर-संस्कृति है। इसलिए आयकर दिवस किसी विभागीय औपचारिकता का नहीं, आर्थिक नागरिकता के सम्मान का अवसर है। इतिहास गवाह है कि समृद्ध राष्ट्रों की नींव केवल संसाधनों पर नहीं, सुदृढ़ कर-संस्कृति पर टिकी होती है। भारत में आधुनिक आयकर व्यवस्था का औपचारिक आरंभ 24 जुलाई 1860 को सर जेम्स विल्सन द्वारा प्रस्तुत आयकर अधिनियम से हुआ, किंतु स्वतंत्र भारत ने इसे केवल राजस्व-संग्रह नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय विकास का माध्यम बनाया। 1961 के आयकर अधिनियम के बाद सरलीकरण की दिशा में नया आयकर कानून भी प्रस्तावित/लागू होने की प्रक्रिया में है, प्रत्यक्ष कर प्रशासन में सुधार, कंप्यूटरीकरण, केंद्रीकृत प्रसंस्करण और डिजिटल कर प्रणाली उसी दृष्टि के क्रमिक विस्तार हैं। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में है और वैश्विक संस्थाएँ उसे आने वाले दशक का विकास-प्रेरक मान रही हैं। इस उपलब्धि के मूल में करोड़ों ईमानदार करदाताओं से निर्मित वही राजस्व है, जिसने विकास की गति को निरंतर बनाए रखा।

हर सार्वजनिक उपलब्धि के पीछे एक मौन निवेश छिपा होता है–करदाता का। राष्ट्रीय राजमार्गों, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं, नई शिक्षा नीति के अनुरूप विकसित संस्थानों, रक्षा आधुनिकीकरण, डिजिटल अवसंरचना, अंतरिक्ष अनुसंधान, जल संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की वास्तविक नींव ईमानदारी से अदा किए गए कर पर टिकी है। नागरिक अपनी आय का एक अंश राष्ट्र को देकर केवल राजस्व नहीं देता, बल्कि समान अवसरों वाले भारत के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करता है। इसलिए विकसित देशों में कर भुगतान सम्मान का प्रतीक माना जाता है। भारत भी अब उसी दिशा में बढ़ रहा है, जहाँ करदाता राजस्व का स्रोत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति का सह-शिल्पी माना जाता है।

कर प्रशासन का नया चेहरा कानूनों से कम, तकनीक से अधिक गढ़ा गया है। कभी आयकर कार्यालयों के चक्कर, कागजी फाइलें और लंबी प्रतीक्षाएँ करदाताओं की विवशता थीं; आज फेसलेस असेसमेंट, प्री-फिल्ड आयकर रिटर्न, ऑनलाइन सत्यापन, डिजिटल भुगतान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जोखिम विश्लेषण ने प्रक्रिया को पारदर्शी, त्वरित और विश्वसनीय बना दिया है। प्रत्यक्ष कर संग्रह में निरंतर वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि सरल व्यवस्था स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देती है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों ने भी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना में भारत की प्रगति को उल्लेखनीय माना है। तकनीक का उद्देश्य केवल निगरानी नहीं, बल्कि करदाता और शासन के बीच भरोसे का स्थायी सेतु बनाना है। इसलिए आज करदाता व्यवस्था से डरता नहीं, उस पर भरोसा करता है।

कर भुगतान का सबसे बड़ा लाभ सरकार नहीं, स्वयं करदाता प्राप्त करता है। नियमित आयकर रिटर्न आय, व्यय, निवेश और बचत का अनुशासित लेखा विकसित करता है, जो बैंकिंग, ऋण, उद्यमिता और वित्तीय सुरक्षा की मजबूत आधारशिला बनता है। जनधन, डिजिटल भुगतान, यूपीआई और औपचारिक अर्थव्यवस्था के विस्तार ने नागरिक को अधिक वित्तीय रूप से जागरूक बनाया है। आज करदाता केवल कर अदा करने वाला नहीं, बल्कि आर्थिक अनुशासन का प्रतिनिधि है। विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ती वित्तीय साक्षरता इसी परिवर्तन का संकेत है। नई पीढ़ी जब कर को दंड नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपना दायित्व मानेगी, तभी आर्थिक राष्ट्रवाद विचार नहीं, व्यवहार बनेगा।

### विश्व में भारत के खिलाफ नैरेटिव गढ़ता बीबीसी

**संजय सक्सेना**

दुनिया भर में अपनी पत्रकारिता के कारण सुर्खियों में रहने वाला बीबीसी (ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) का विवादों से गहरा नाता रहा है। कई देश बीबीसी की खबरों को उसके ह्यएजेंडेह्न के रूप में देखते हैं। बीबीसी पर भारतीय राजनीति, समाज और नीति-निर्माण को प्रभावित करने के लिए एजेंडा-आधारित पत्रकारिता और नैरेटिव मैनिपुलेशन (कहानियों को तोड़ने-मरोड़ने) के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। आलोचकों, विचारकों और भारत सरकार के समर्थकों का मानना है कि बीबीसी अक्सर भारत की नकारात्मक छवि पेश करता है और संवेदनशील मुद्दों पर एकतरफा दृष्टिकोण अपनाकर असंतोष को भड़काता है। ऐसा ही कुछ कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान भी देखने को मिल रहा है।बीबीसी की रिपोर्टिंग पर नजर डालने से कुछ विशेष पैटर्न सामने आते हैं, जिनके जरिए खबरों को एक खास दिशा दी जाती है। भारत से जुड़ी खबरों में ऐसे शीर्षकों का चयन किया जाता है, जो सीधे तौर पर देश की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। जटिल सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को सरलीकृत करके सीधे तौर पर बहुसंख्यक बनाम अल्पसंख्यक के रूप में पेश किया जाना। बीबीसी का लोकल नैरेटिव को ग्लोबल एजेंडा बनाना भी अक्सर चिंताजनक नजर आता है। उसके द्वारा स्थानीय स्तर के आपराधिक मामलों को राष्ट्रीय राजनीति और सरकार की नीतियों से जोड़कर दिखाने के कई उदाहरण मौजूद हैं। बीबीसी द्वारा अपनी रिपोर्ट में केवल उन्हीं विचारकों, पत्रकारों या कार्यकताओं को शामिल किया जाता है, जो सरकार विरोधी रुख रखते हैं। बीबीसी की दखलअंदाजी और मैनिपुलेशन के कई उदाहरण मौजूद हैं।बीबीसी द्वारा 2023 में दो भागों में जारी की गई ह्यइंडियाः द मोदी क्वेश्चनह्न डॉक्यूमेंट्री में 2002 के गुजरात दंगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका पर सवाल उठाए गए थे। इस डॉक्यूमेंट्री को ऐसे समय पर रिलीज किया गया, जब भारत जी-20 (जी-20) की अध्यक्षता संभाल रहा था और वैश्विक मंच पर अपनी छवि मजबूत कर रहा था। इसमें भारत की सर्वोच्च अदालत द्वारा गठित एसआईटी की उस जांच को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया, जिसने नरेंद्र मोदी को क्लीन चिट दी थी। दरअसल, बीबीसी का उद्देश्य कानूनी रूप से सुलझ चुके इस संवेदनशील और ध्रुवीकरण करने वाले मुद्दे को दोबारा हवा देकर देश में राजनीतिक अस्थिरता और असंतोष पैदा करना था। साल 2020-2021 में भारत सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान बीबीसी की कवरेज को बेहद एकतरफा माना गया। बीबीसी की ग्राउंड रिपोर्ट्स और डिजिटल आर्टिकल्स में मुख्य रूप से आंदोलनकारियों के पक्ष को ही सही ठहराया गया।

इसमें लाल किले पर हुई हिंसा और पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों को या तो बहुत कम दिखाया गया या उन्हें जायज ठहराने की कोशिश की गई। कानूनों के समर्थन में खड़े करोड़ों छोटे किसानों के दृष्टिकोण को बीबीसी ने अपनी मुख्यधारा की कहानियों में कोई जगह नहीं दी। इस कवरेज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संदेश दिया कि भारत सरकार किसानों का दमन कर रही है, जिससे भारत की लोकतांत्रिक साख को चोट पहुंची।2020 में समान नागरिक संहिता यानी सीएए विरोधी प्रदर्शनों और उसके बाद फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगों के दौरान बीबीसी की भूमिका पर गंभीर सवाल उठे। बीबीसी ने सीएए को एक मुस्लिम विरोधी कानून के रूप में प्रचारित किया, जबकि यह कानून केवल पड़ोसी देशों के प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए था, न कि किसी की नागरिकता छीनने के लिए। दिल्ली दंगों की रिपोर्टिंग में बीबीसी ने हिंसा को एकतरफा मुस्लिम विरोधी दंगे के रूप में पेश किया, जबकि दंगों में दोनों पक्षों (हिंदू और मुस्लिम) के लोग मारे गए थे और खुफिया ब्यूरो के अधिकारी अंकित शर्मा व पुलिस हेड कांस्टेबल रतन लाल की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

# अब आगे क्या? इस्तीफा या पेपर लीक पर संसद में बहस?

**सौरभ वार्ष्णेय**

देश की संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां जनता से जुड़े गंभीर मुद्दों पर चर्चा, जवाबदेही और समाधान की अपेक्षा की जाती है। लेकिन मानसून सत्र के शुरूआती तीन दिन जिस प्रकार लगातार हंगामे और स्थगन की भेंट चढ़े हैं, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या संसद जनहित के मुद्दों के समाधान का मंच बनेगी या केवल राजनीतिक टकराव का अखाड़ा बनकर रह जाएगी?

वर्तमान गतिरोध का सबसे बड़ा कारण देशभर में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के कथित पेपर लीक की घटनाएं हैं। इन घटनाओं ने लाखों छात्रों के भविष्य, उनकी वर्षों की मेहनत और पूरे परीक्षा तंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। विपक्ष इस मुद्दे को केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सरकार की जवाबदेही का विषय मानते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़ा हुआ है। दूसरी ओर सरकार का कहना है कि वह इस मुद्दे पर संसद में विस्तृत चर्चा कराने के लिए तैयार है और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जा रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी मंत्री का इस्तीफा केवल राजनीतिक दबाव का परिणाम नहीं होना चाहिए, बल्कि उसकी जिम्मेदारी तय होने और नैतिक उत्तरदायित्व के आधार पर होना चाहिए। वहीं विपक्ष का यह तर्क भी पूरी तरह निराधार नहीं कहा जा सकता कि जब सरकार उपलब्धियों का श्रेय स्वयं लेती है, तो गंभीर प्रशासनिक विफलताओं की नैतिक जिम्मेदारी भी उसे स्वीकार करनी चाहिए। यही कारण है कि इस्तीफे की मांग राजनीतिक बहस का केंद्र बन गई है।

दूसरी ओर यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि संसद में इस पूरे प्रकरण पर गंभीर, तथ्यात्मक और व्यापक चर्चा हो। केवल नारेबाजी या सदन को बाधित करने से न तो छात्रों का भविष्य सुरक्षित होगा और न ही परीक्षा प्रणाली में सुधार आएगा। देश यह जानना चाहता है कि आखिर बार-बार पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? सुरक्षा व्यवस्था में चूक कहां है? कौन-से संगठित गिरोह इस पूरे नेटवर्क को चला रहे हैं? अब तक कितनों पर कार्रवाई हुई? भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकार की ठोस रणनीति क्या है? संसद में यदि इन सभी प्रश्नों पर विस्तृत बहस होती है तो यह लोकतंत्र और छात्रों–दोनों के हित में होगा। बहस से जवाबदेही भी तय होगी और सुधार की दिशा भी स्पष्ट होगी। लेकिन यदि बहस से पहले केवल इस्तीफे की मांग और सरकार की ओर से केवल राजनीतिक प्रतिरोध चलता रहा, तो सबसे बड़ा नुकसान उन लाखों युवाओं का होगा, जिनका भविष्य इस पूरे विवाद के बीच अधर में लटका हुआ है।

इस बीच राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों का आंदोलन लगातार व्यापक होता दिखाई दे रहा है। विभिन्न राज्यों से छात्र वहां पहुंच रहे हैं और निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तथा परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं। कुछ समय पहले सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को उनके आंदोलन के दौरान हिरासत में लिए जाने के बाद यह माना जा रहा था कि विरोध प्रदर्शनों की धार कमजोर पड़ जाएगी। लेकिन वर्तमान छात्र आंदोलन यह संकेत देता है कि युवाओं का आक्रोश केवल किसी एक व्यक्ति या संगठन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यवस्था के प्रति गहराते अविश्वास का प्रतीक बन चुका है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि वह पेपर लीक पर संसद में चर्चा करने और आंदोलनरत छात्रों से संवाद के लिए भी तैयार है। यदि ऐसा है, तो यह स्वागतयोग्य पहल हो सकती है। लोकतंत्र में संवाद ही किसी भी संकट का सबसे प्रभावी समाधान माना जाता है। लेकिन संवाद तभी सार्थक होगा जब उसके साथ ठोस निर्णय, समयबद्ध कार्रवाई और पारदर्शिता भी जुड़ी हो।

# पीएम हाउस पर राहुल का धरना विवाद, कोई नहीं आया साथ

**अजय कुमार**



कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा 21-22 जुलाई को प्रधानमंत्री आवास के निकट किया गया धरना-प्रदर्शन राजनीतिक विवादों के केंद्र में आ गया है। नीट पेपर लीक और छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई के विरोध में मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ राहुल गांधी 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास के पास धरने पर बैठ गए थे। पुलिस ने राहुल गांधी को हिरासत में ले लिया, जब वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग करते हुए उनके आवास के बाहर धरना दे रहे थे। कुछ घंटों बाद उन्हें रिहा कर दिया गया, जिसके बाद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के साथ हुई बातचीत का हवाला देते हुए वीडियो जारी कर अपने फैसले का बचाव किया। सबसे खास बात यह है कि राहुल गांधी के इस विवादित धरने का कांग्रेस को छोड़कर कोई भी विपक्षी पार्टी का नेता समर्थन नहीं दे रहा है।गौरतलब है कि यह पूरा घटनाक्रम एक बड़े और पहले से चल रहे आंदोलन के बीच हुआ। शिक्षा सुधार और जवाबदेही की मांग को लेकर छात्रों के नेतृत्व में चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहले से जारी थे, और प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक इसी मुद्दे पर लंबे समय से भूख हड़ताल पर बैठे थे। वांगचुक की तीन सप्ताह लंबी भूख हड़ताल आंदोलन का प्रतीक बन चुकी थी, और सप्ताहांत में पुलिस द्वारा उन्हें जबरन अस्पताल ले जाए जाने के बाद आंदोलन ने और जोर पकड़ा। इसी दौरान सोशल मीडिया पर प्रदर्शनकारियों के साथ हुई कथित पुलिसिया सख्ती के वीडियो वायरल हुए, जिससे जनाक्रोश और बढ़ गया।

दिलचस्प बात यह रही कि छात्रों के आंदोलन और सोनम वांगचुक के अनशन से एक निश्चित दूरी बनाए रखने के बाद कांग्रेस और राहुल गांधी ने अचानक प्रधानमंत्री आवास के बाहर अपना अलग धरना शुरू कर दिया, जबकि सीजेपी का प्रदर्शन उससे कुछ किलोमीटर दूर जंतर-मंतर पर चल रहा था। इसी बिंदु पर कई विश्लेषकों ने सवाल उठाया कि जब मकसद एक ही था, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, तो कांग्रेस और सीजेपी ने साझा मंच से प्रदर्शन क्यों नहीं किया और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री आवास को ही निशाना क्यों बनाया।भाजपा ने इस पूरे प्रकरण को सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन के रूप में पेश किया। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने सवाल उठाया कि जब जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति पहले से थी, तो राहुल गांधी प्रदर्शनकारियों को प्रधानमंत्री आवास तक क्यों ले गए, और उन्होंने इसे प्रदर्शन भड़काने की कोशिश करार दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी राहुल गांधी के रवैये को अफसोसजनक बताते हुए कहा कि सरकार बातचीत और संसद में चर्चा के लिए तैयार थी, लेकिन विपक्ष के नेता अपनी बात से मुकर गए।

इसके जवाब में भाजपा ने देशभर में कांग्रेस दफ्तरों के बाहर प्रदर्शन कर सुरक्षा उल्लंघन के आरोप में विरोध जताया, जबकि कांग्रेस विधायकों ने कई राज्यों की विधानसभाओं के बाहर भी समर्थन में प्रदर्शन किए।

अब बड़ा और अहम सवाल यह है कि क्या आजादी के बाद देश में इससे पहले भी किसी नेता या राजनीतिक दल ने सीधे प्रधानमंत्री के आवास या कार्यालय के ठीक बाहर इस तरह का धरना-प्रदर्शन किया है। भारत में विरोध-प्रदर्शन की एक लंबी और समृद्ध परंपरा रही है, लेकिन इसका केंद्र लगभग हमेशा जंतर-मंतर, रामलीला मैदान, बोट क्लब (अब विजय चौक), इंडिया गेट या संसद भवन परिसर रहा है, न कि सीधे प्रधानमंत्री का निजी आवास। इसकी बड़ी वजह सुरक्षा है। प्रधानमंत्री आवास एक अत्यंत संवेदनशील और उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र माना जाता है, जहां आमतौर पर धारा 144 जैसी पाबंदियां लागू रहती हैं और सामूहिक जमावड़े की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाती।जय प्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति आंदोलन हो, 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार-विरोधी अनशन हो या 2020-21 का किसान आंदोलन, इन सभी बड़े जन-आंदोलनों ने भी दिल्ली की सीमाओं, रामलीला मैदान या जंतर-मंतर को ही अपना केंद्र बनाया, प्रधानमंत्री आवास को नहीं। यहां तक कि इमरजेंसी के बाद के दौर में विपक्ष के तीखे प्रदर्शन भी संसद परिसर या बोट क्लब तक ही सीमित रहे।

इस लिहाज से राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व द्वारा सीधे प्रधानमंत्री आवास तक मार्च करना और वहां धरना देना निश्चित रूप से एक असामान्य और दुर्लभ कदम माना जा रहा है। यही वजह है कि यह घटनाक्रम इतना विवादित बन गया। भाजपा इसे सुरक्षा तंत्र को चुनौती देने वाला और गैर-जिम्मेदाराना कदम बता रही है, जबकि कांग्रेस इसे छात्रों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने वाला और सरकार को सीधे जवाबदेह ठहराने वाला प्रतीकात्मक विरोध बता रही है।साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि छात्रों के नेतृत्व वाले सीजेपी आंदोलन और सोनम वांगचुक के अनशन ने पहले ही जंतर-मंतर को आंदोलन का स्वाभाविक केंद्र बना दिया था, जहां हजारों समर्थक पहले से जमा थे। ऐसे में कांग्रेस के इस अलग रास्ते ने कुछ हलकों में यह सवाल भी खड़ा किया कि क्या पार्टी छात्र आंदोलन का हिस्सा बनने के बजाय उससे अलग अपनी राजनीतिक पहचान और नेतृत्व स्थापित करना चाहती थी। भाजपा समर्थक इसे राजनीतिक श्रेय लेने की कोशिश बता रहे हैं, तो कांग्रेस समर्थक इसे सत्ता से सीधे सवाल पूछने की मंशा करार दे रहे हैं।कुल मिलाकर, राहुल गांधी का यह प्रदर्शन सिर्फ नीट पेपर लीक के मुद्दे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह विपक्ष की रणनीति, सुरक्षा प्रोटोकॉल और छात्र आंदोलन के साथ कांग्रेस के जटिल रिश्ते, तीनों को लेकर एक नई बहस का कारण बन गया है। आने वाले दिनों में संसद के मानसून सत्र में इस मुद्दे पर और टकराव देखने को मिल सकता है, क्योंकि विपक्ष लगातार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और नीट प्रणाली में सुधार की मांग पर अड़ा हुआ है, जबकि सरकार इसे संसद के भीतर ही सुलझाने पर जोर दे रही है।

## सिक्किम हादसाः प्रकृति की चेतावनी या मानवीय लापरवाही ?

**सुनील कुमार महला**

हाल ही में सिक्किम के समरडुंग, नामची जिले में एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-श्क जलविद्युत परियोजना के निमार्णाधीन टनल (एडीआइटी-3) में हादसा हो गया। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 20 जुलाई 2026 को निमार्णाधीन सुरंग के अंदर अचानक मीथेन गैस से जुड़ी घटना (संभावित विस्फोट/दहन) हुई और इसके बाद सुरंग के प्रवेश मार्ग के पास भूस्खलन हुआ, जिससे सुरंग का हिस्सा बंद हो गया और अंदर मौजूद कर्मचारी व अधिकारी फंस गए। बताया जा रहा है कि सुरंग में 40 से अधिक लोग मौजूद थे। इनमें से कुछ लोग समय रहते बाहर निकल आए, लेकिन लगभग 25झ्र27 लोग अंदर फंस गए। जानकारी अनुसार इनमें एनएचपीसी, ठेकेदार कंपनी और मजदूर शामिल थे।

ताजा उपलब्ध जानकारी के अनुसार(यह आलेख लिखे जाने तक) 20 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं तथा 2 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे तथा रिपोर्ट के समय तक 5 लोगों की तलाश जारी थी। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि सुरंग में प्राकृतिक रूप से जमा मीथेन गैस को निकालने के प्रयास के दौरान विस्फोट/दहन हुआ, जिससे भूस्खलन हुआ और सुरंग का प्रवेश मार्ग बंद हो गया। हालांकि, अंतिम कारण विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। राहत एवं बचाव कार्य में राज्य पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, आईटीबीपी, दमकल तथा अन्य विशेषज्ञ एजेंसियों को लगाया गया। इधर, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति की समीक्षा की है। बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि भूस्खलन के कारण इस सुरंग के ढह जाने से कई लोगों की मौत हो जाने की घटना ने पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहाड़ों की पारिस्थितिकी की अनदेखी कर विकास कितना नुकसानदेह हो सकता है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में भूस्खलन (लैंडस्लाइड) एक गंभीर प्राकृतिक आपदा बनता जा रहा है। मानसून के दौरान हिमालयी और पश्चिमी घाट के राज्यों में इसकी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल के दिनों में सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत में भारी वर्षा के कारण कई बड़े भूस्खलन हुए हैं। वास्तव में,अत्यधिक वर्षा और बादल फटना, भारत के हिमालयी क्षेत्र का भूकंपीय दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय होना, अनियोजित विकास (पेड़ों की अंधाधुंध कटाई,सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाओं और भवन निर्माण के दौरान वैज्ञानिक मानकों की अनदेखी), विकास के नाम पर पहाड़ों का काटा जाना, जलवायु परिवर्तन (अत्यधिक और अल्प अवधि की वर्षा) भूस्खलन के प्रमुख कारणों में से एक हैं तथा जम्मू-कश्मीर,लद्दाख,हिमाचल प्रदेश,उत्तराखंड,सिक्किम,अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम,मेघालय,दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) तथा पश्चिमी घाट (केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र) हमारे देश में सबसे अधिक भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में से एक हैं। गौरतलब है कि भारत का लगभग 12.6% भौगोलिक क्षेत्र भूस्खलन के खतरे वाले क्षेत्र में आता है तथा इस क्रम में इसरो (राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र) ने वर्ष 1998झ्र2022 के दौरान भारत में लगभग 80,000 भूस्खलनों का डेटाबेस तैयार किया है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र ,इसरो का एक प्रमुख केंद्र है, जिसका मुख्यालय हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित है।बहरहाल, भूस्खलन का यह हमारे देश में पहला हादसा नहीं है। उत्तराखंड और तेलंगाना में भी ऐसे हादसे हो चुके हैं, लेकिन उनसे कोई सबक नहीं लिया गया। कहना गलत नहीं होगा कि हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा हमेशा बना रहता है। ऐसे में यदि सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया, तो यह गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। सवाल यह भी उठता है कि बरसात के मौसम में सुरंग निर्माण का काम करते समय आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम पहले से क्यों नहीं किए गए?

# लोकतंत्र, आंदोलन और जवाबदेही

**महेन्द्र तिवारी**

भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है और इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां नागरिकों को अपनी बात रखने, सरकार की नीतियों पर प्रश्न उठाने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं है, बल्कि यह निरंतर संवाद, असहमति, भागीदारी और जवाबदेही की व्यवस्था है। जब नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर संगठित होते हैं और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें रखते हैं, तब शासन व्यवस्था को समाज की वास्तविक जरूरतों का पता चलता है। यही कारण है कि आंदोलन किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक और आवश्यक अंग माने जाते हैं। हालांकि, यह भी उतना ही सत्य है कि आंदोलन तभी लोकतांत्रिक शक्ति बनते हैं जब वे संविधान, कानून और सामाजिक मयार्दाओं के भीतर संचालित हों।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा अनुच्छेद 19(1)(ख) के अंतर्गत शांतिपूर्ण और बिना हथियारों के एकत्र होने का अधिकार नागरिकों को प्राप्त है। इन अधिकारों ने भारतीय लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर भूमि सुधार, पर्यावरण संरक्षण, सूचना के अधिकार, भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों और महिला अधिकारों तक अनेक आंदोलनों ने देश की नीतियों और कानूनों को प्रभावित किया है। इन आंदोलनों की सफलता का आधार उनकी नैतिक शक्ति, स्पष्ट उद्देश्य और व्यापक जनसमर्थन रहा।

महात्मा गांधी ने सत्याग्रह के माध्यम से दुनिया को यह संदेश दिया कि अहिंसा और सत्य किसी भी लोकतांत्रिक संघर्ष की सबसे बड़ी ताकत हो सकते हैं। उनका मानना था कि यदि उद्देश्य न्यायपूर्ण हो और संघर्ष शांतिपूर्ण हो तो अंततः समाज और शासन दोनों को संवाद के लिए आगे आना पड़ता है। यही सिद्धांत आज भी लोकतांत्रिक आंदोलनों के लिए प्रासंगिक है। हिंसा से क्षणिक दबाव तो बनाया जा सकता है, लेकिन स्थायी समाधान संवाद और विश्वास से ही निकलता है।

हाल के वर्षों में भारत में विभिन्न मुद्दों को लेकर अनेक आंदोलन हुए हैं। किसानों, छात्रों, कर्मचारियों, महिलाओं, पर्यावरण संरक्षण समूहों और सामाजिक संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर समय समय पर प्रदर्शन किए हैं। हाल में दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शनों ने शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और शासन की जवाबदेही जैसे विषयों को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया। इन प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बल प्रयोग तथा विभिन्न दावों और प्रतिदावों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। साथ ही सोशल मीडिया पर अनेक वीडियो और सूचनाएं तेजी से प्रसारित हुईं, जिनमें से कुछ दावों पर बाद में विवाद भी सामने आए।



लोकतंत्र में किसी भी आंदोलन का उद्देश्य सरकार और समाज का ध्यान किसी वास्तविक समस्या की ओर आकर्षित करना होना चाहिए। यदि आंदोलन अपने मूल उद्देश्य से भटककर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान, घृणा फैलाने वाली भाषा या कानून हाथ में लेने का माध्यम बन जाए तो उसकी नैतिक वैधता कमजोर पड़ जाती है। किसी भी आंदोलन की सबसे बड़ी पूंजी उसका नैतिक आधार होता है। जब यह आधार कमजोर होता है तो वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और पूरा विमर्श केवल कानून व्यवस्था तक सीमित हो जाता है।

यह भी समझना आवश्यक है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूर्णतः असीमित अधिकार नहीं है। संविधान सार्वजनिक व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिष्टाचार और अन्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए युक्तिसंगत प्रतिबंधों की अनुमति देता है। इसलिए यदि कोई व्यक्ति या समूह किसी समुदाय के विरुद्ध घृणा फैलाने, हिंसा के लिए उकसाने या सामाजिक वैमनस्य बढ़ाने का प्रयास करता है तो वह केवल विचार व्यक्त नहीं कर रहा होता, बल्कि कानून के दायरे में आने वाला कृत्य कर रहा होता है। लोकतंत्र में असहमति स्वीकार्य है, लेकिन हिंसा और घृणा का समर्थन नहीं।

सार्वजनिक संपत्ति का महत्व भी इसी संदर्भ में समझना चाहिए। सड़कें, बसें, रेलवे, सरकारी विद्यालय, अस्पताल, पुल और अन्य सार्वजनिक संस्थान किसी सरकार या राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं होते। इनका निर्माण जनता के करों से होता है। इसलिए विरोध प्रदर्शन के दौरान यदि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाता है तो उसका वास्तविक नुकसान देश के नागरिकों को ही उठाना पड़ता है। मरम्मत और पुनर्निर्माण का खर्च भी अंततः करदाताओं के धन से पूरा होता है। इसलिए लोकतांत्रिक आंदोलन का पहला दायित्व सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा होना चाहिए।

पुलिस और सुरक्षा बलों की भूमिका भी लोकतंत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका दायित्व कानून व्यवस्था बनाए रखना, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और न्यायालयों तथा संविधान द्वारा निर्धारित सीमाओं के भीतर कार्य करना है। यदि प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर हमला होता है, पथराव किया जाता है या सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई जाती है तो वह भी कानून के विरुद्ध है। दूसरी ओर पुलिस की कार्रवाई भी आवश्यक, अनुपातिक और विधिसम्मत होनी चाहिए। लोकतंत्र में न तो भीड़ को हिंसा का अधिकार है और न ही राज्य को अनावश्यक बल प्रयोग का। यही संतुलन लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता बनाए रखता है।

लोकतंत्र में जवाबदेही केवल सरकार की नहीं होती, बल्कि नागरिकों और आंदोलनों की भी होती है।

यदि किसी आंदोलन में कुछ लोग हिंसक गतिविधियों में शामिल पाए जाते हैं तो उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। पूरे आंदोलन या पूरे समाज को एक ही दृष्टि से देखना न्यायसंगत नहीं होगा। इसी प्रकार यदि किसी सरकारी एजेंसी से भी कानून या मानवाधिकारों के विरुद्ध कोई कार्रवाई होती है तो उसकी निष्पक्ष जांच और जवाबदेही भी आवश्यक है। यही कानून के शासन की मूल भावना है।

भारतीय संविधान केवल अधिकारों की बात नहीं करता, बल्कि नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों का भी उल्लेख करता है। अनुच्छेद 51ए प्रत्येक नागरिक से अपेक्षा करता है कि वह संविधान का सम्मान करे, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ अधिकार और कर्तव्य के बीच संतुलन स्थापित करना है। यदि नागरिक केवल अधिकारों की मांग करें और कर्तव्यों की उपेक्षा करें तो लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होगी।

# यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल हुआ सारनाथ, उत्तर प्रदेश को मिला चौथा विश्व धरोहर स्थल

**वाराणसी।**
लगभग 28 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भगवान बुद्ध की प्रथम धर्मदेशना स्थली सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया है। दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में शनिवार शाम इस ऐतिहासिक निर्णय की घोषणा की गई। इसके साथ ही सारनाथ भारत का 45वां तथा उत्तर प्रदेश का चौथा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बन गया है।
इस उपलब्धि से बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में शामिल सारनाथ को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है।

साथ ही, उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के मानचित्र पर नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।
सारनाथ को 3 जुलाई 1998 को यूनेस्को की टेंटेटिव (संभावित) सूची में शामिल किया गया था। लगभग 28 वर्षों बाद मिली यह मान्यता उत्तर प्रदेश के लिए विशेष महत्व रखती है। अब तक राज्य के तीन विश्व धरोहर स्थल–ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी–आगरा मंडल तक सीमित थे। सारनाथ के शामिल होने से प्रदेश की विश्व धरोहर पहचान पूर्वांचल तक विस्तृत हो गई है और राज्य की समृद्ध बौद्ध विरासत को वैश्विक मान्यता मिली है।

**–चौखंडी स्तूप और पुरातात्विक अवशेषों को मिली मान्यता**
यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त इस विश्व धरोहर संपत्ति में चौखंडी स्तूप तथा सारनाथ का पुरातात्विक परिसर शामिल है।
दोनों स्थल एक-दूसरे से लगभग 626 मीटर की दूरी पर स्थित हैं। चौखंडी स्तूप भगवान बुद्ध और उनके पांच प्रथम शिष्यों के मिलन का प्रतीक माना जाता है, जबकि पुरातात्विक परिसर में धामेक स्तूप, धर्मराजिका स्तूप, प्राचीन विहारों के अवशेष और अशोक स्तंभ जैसे महत्वपूर्ण स्मारक शामिल हैं। ये स्मारक सारनाथ के विश्व के प्रमुख बौद्ध आस्था एवं ज्ञान केंद्र के रूप में हुए ऐतिहासिक विकास की गवाही देते हैं।

**–बौद्ध धर्म में सारनाथ का विशेष महत्व**
सारनाथ वही पावन स्थल है जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना प्रथम उपदेश देकर 'धर्मचक्र प्रवर्तन' की शुरूआत की थी। प्राचीन बौद्ध ग्रंथों में इसका उल्लेख 'ऋषिपत्तन' के नाम से मिलता है। यहीं भगवान बुद्ध ने अपने प्रथम पांच शिष्यों को धर्म का उपदेश देकर करुणा, शांति और मध्यम मार्ग का संदेश मानवता को दिया था।
करीब 2600 वर्षों से सारनाथ बौद्ध आस्था, तीर्थ परंपरा, मठ जीवन, प्राचीन स्थापत्य और समृद्ध कला विरासत का प्रमुख केंद्र रहा है। यूनेस्को की यह मान्यता इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठा प्रदान करेगी।

# कांवड़ यात्रा क्या है, क्या है इसका महत्व, श्रीराम और रावण भी लाए थे कांवड़

**लखनऊ।**
कावड़ यात्रा भारत की एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक विरासत है। इस साल 30 जुलाई से सावन के महीने की शुरूआत होगी। इसी दिन से कांवड़ यात्रा की शुरूआत होती है। कांवड़ यात्रा भगवान भोलेनाथ को समर्पित है। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त अपनी अपनी श्रद्धानुसार कांवड़ उठाते हैं। यह बातें काशी के विद्वान एवं ज्योतिषाचार्य प्रसाद दीक्षित ने हिन्दुस्थान समाचार से एक विशेष बातचीत में बतायी।
उन्होंने बताया कि सावन में जो भी शिवभक्त कांवड़ यात्रा करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। गौरतलब है इस साल कांवड़ मेला 30 जुलाई से शुरू होकर 11 अगस्त (सावन शिवरात्रि) तक चलेगा।

**क्या है कांवड़ यात्रा**
उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रा को सीधे तौर पर भगवान शिव से जोड़ा जाता है। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए ये यात्रा की जाती है। कांवड़ यात्रा श्रद्धा के साथ ही सहनशक्ति और सामूहिक एकता की यात्रा है। कांवड़ यात्रा से अंतर्मन शुद्ध होता है। कांवड़ शिव भक्ति की यात्रा है। कांवड़ यात्रा के दौरान मांस मदिरा का सेवन नहीं किया जाता है। इस दौरान तामसिक भोजन भी वर्जित होता है। कांवड़ यात्रा शरीर के साथ–साथ मन की भी यात्रा होती है। कांवड़ यात्रा में 10 दिन बेहद ही अनुशासन से भरे होते हैं। इन्ही दिनों को अपने जीवन में उतारने की सीख भी कांवड़ यात्रा से मिलती है।
**राम, रावण और श्रवण ने की थी कांवड़ यात्रा**
उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रा को लेकर कई पौराणिक मान्यताएं हैं। कथा के अनुसार भगवान परशुराम ने अपने आराध्य देव शिव के नियमित पूजन के लिए पुरा महादेव (जनपद बागपत) में मंदिर की स्थापना की। परशुराम ने कावड़ में गंगाजल लाकर पूजन कर कावड़ परंपरा की शुरूआत की। वर्तमान में देशभर में कांवड़ यात्रा काफी प्रचलित है। कथा के अनुसार कावड़ परंपरा शुरू करने वाले भगवान परशुराम की पूजा भी श्रावण मास में की जानी चाहिए।

# बिजनौर में बनेगा शहीद स्तंभ और शौर्य वाटिका, पालिका अध्यक्ष ने किया भूमि पूजन

**बिजनौर।**
उत्तर प्रदेश की नगर पालिका परिषद बिजनौर द्वारा देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सैनिकों की स्मृति में एक शहीद स्तंभ और 'शौर्य वाटिका' का निर्माण कराया जाएगा। बैराज रोड स्थित इंदिरा पार्क के बाहर इस शहीद स्तंभ के निर्माण के लिए पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह, भाजपा नेता डॉ. बीरबल सिंह और मेजर अभिनव सिंह ने रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन किया। भूमि पूजन का संचालन पंडित चेतन शर्मा ने किया।
इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सिंह ने कहा कि नगर में वीर सैनिकों की याद में इस भव्य शहीद स्थल का निर्माण किया जाना उनके लिए बेहद गौरव की बात है। देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को याद करने का इससे बेहतर और कोई माध्यम नहीं हो सकता। भूमि पूजन कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कप्तान अनिल कुमार गुप्ता, सैनिक अरविंद लांबा, सभासद संजय बिश्नोई, मनोरमा शर्मा, बबीता चौधरी, अमित ठाकुर, हितेश सैनी, आदिल, प्रभाकर, अभिषेक राणा, राजवीर सिंह, कासिम साहू, ब्रह्मपाल सिंह, राम अवतार सिंह, शमशाद अहमद, सुरेंद्र सिंह, वंदना अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, मनोज कुमार मनी और हितेश सैनी , पालिका के अधिशासी अधिकारी (एड) रामपाल सिंह यादव सहित कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

# कारगिल विजय दिवस: श्री काशी विश्वनाथ धाम में सेना के शौर्य को युवाओं ने किया नमन

**वाराणसी।**
कारगिल विजय दिवस की वर्षगांठ पर रविवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में नमामि गंगे के तत्वावधान में भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को नमन करते हुए शहीद जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर देश की सुरक्षा एवं समृद्धि के साथ वीर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना भी की गई।
कार्यक्रम के दौरान बाबा विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार एवं भारत माता की प्रतिमा के समक्ष उपस्थित लोगों ने भारतीय सेना के शौर्यवीरों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र की रक्षा के लिए दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों और विषम परिस्थितियों में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों का सर्वोच्च बलिदान सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर एवं गंगा सेवक राजेश शुक्ला ने कहा कि कारगिल विजय दिवस वर्ष 1999 में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध प्राप्त ऐतिहासिक विजय की गौरवगाथा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कारगिल का युद्ध अत्यंत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में लड़ा गया, जहां भारतीय सैनिकों ने अदम्य साहस, अनुशासन और पराक्रम का परिचय देते हुए दुश्मन को परास्त किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जवानों ने घुसपैठ कर कब्जा किए गए दुर्गम शिखरों पर पुनः तिरंगा फहराकर देश की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा की।
कार्यक्रम में नीरज सिंह, सौरभ पाण्डेय, शशिभूषण पाण्डेय, अर्जुन सिंह, नमन पाण्डेय, गोलू यादव, अंकित यादव, शुभम गुप्ता, राकेश कुमार, भावेश आदि ने भागीदारी की।

## पढ़ाई में पीछे छूटे बच्चों को मुख्यधारा में लाएगी सरकार, कैच-अप शिक्षण अभियान को मिलेगी गति

**लखनऊ।**
उत्तर प्रदेश सरकार ने बुनियादी शिक्षा में अधिगम अंतर (लर्निंग गैप) को समाप्त करने के लिए कैच-अप शिक्षण अभियान को और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है। अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी सरकारी विद्यालयों, बीआरसी, बीएसए कार्यालयों और डायट में कैच-अप शिक्षण, निपुण लक्ष्य, कक्षा शिक्षण की 10 प्रभावी प्रथाओं तथा रीडिंग कैंपेन से संबंधित आईईसी सामग्री 31 जुलाई तक प्रदर्शित की जाएगी।
महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने इस संबंध में सहायक शिक्षा निदेशकों (बेसिक), डायट प्राचार्यों, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों, जिला समन्वयकों, एसआरजी तथा एआरपी को समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश जारी किए हैं।
निदेशों में कहा गया है कि संबंधित आईईसी सामग्री का मुद्रण कराकर उसे विद्यालयों, बीआरसी, बीएसए कार्यालयों तथा डायट में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया जाए ताकि शिक्षक प्रतिदिन इन शैक्षणिक संदेशों का उपयोग कक्षा शिक्षण में कर सकें। इसके माध्यम से पूरे प्रदेश में दक्षता आधारित शिक्षण की एक समान कार्यसंस्कृति विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।
कैच-अप शिक्षण के लिए तैयार की गई 15 सूत्रीय रणनीति
अभियान के प्रभावी संचालन के लिए 15 सूत्रीय रणनीति तैयार की गई है। इसके तहत अधिगम स्तर से पीछे रह गए बच्चों की पहचान, आधारभूत दक्षताओं का आकलन, स्तरानुसार समूह बनाकर शिक्षण, दैनिक एवं साप्ताहिक शिक्षण योजना, गतिविधि आधारित शिक्षण, टीएलएम का प्रभावी उपयोग, नियमित अभ्यास, सतत मूल्यांकन, रीडिंग गतिविधियों को बढ़ावा, अभिभावकों की सहभागिता तथा बच्चों की प्रगति की निरंतर निगरानी पर विशेष बल दिया गया है। उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को उसकी कक्षा के अनुरूप अधिगम स्तर तक पहुंचाना और सीखने की कमी को समयबद्ध ढंग से दूर करना है।
**'निपुण लक्ष्य' से स्पष्ट होंगे अधिगम मानक**
विद्यालयों में प्रदर्शित किए जाने वाले 'निपुण लक्ष्य' पोस्टरों में बालवाटिका से लेकर कक्षा 5 तक भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन और अंग्रेजी के स्पष्ट अधिगम लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इससे शिक्षक और विद्यार्थियों दोनों के सामने प्रत्येक कक्षा की अपेक्षित दक्षताएं स्पष्ट रहेंगी तथा शिक्षण और मूल्यांकन को परिणाम आधारित बनाया जा सकेगा।
**कक्षा शिक्षण की 10 प्रभावी प्रथाओं को मिलेगा बढ़ावा**
आईईसी सामग्री में कक्षा शिक्षण की 10 प्रभावी प्रथाओं को भी शामिल किया गया है। इनमें बच्चों की सक्रिय सहभागिता, गतिविधि आधारित शिक्षण, खुले प्रश्नों का प्रयोग, लेखन एवं पठन अभ्यास, टीएलएम का प्रभावी उपयोग, सतत मूल्यांकन, नियमित प्रतिपुष्टि और सहयोगात्मक अधिगम जैसी शिक्षण पद्धतियों को अपनाने पर बल दिया गया है। इन प्रथाओं का उद्देश्य कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाना है।

## ससुराल की प्रताड़ना से तंग विवाहिता ने गला काटा, पुलिस कर रही जांच

**कानपुर।**
उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के नरवल क्षेत्र में ससुराल पक्ष की कथित प्रताड़ना से परेशान एक विवाहिता ने रविवार को मायके में चाकू से अपना गला काटकर आत्महत्या का प्रयास कर लिया। गंभीर रूप से घायल महिला को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल स्थिर है।
नरवल निवासी रुखसाना की शादी करीब 16 वर्ष पहले बांदा के मर्दन नाका निवासी यासीन से हुई थी। उनकी 11 वर्षीय बेटी है। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से पति यासीन, सास जिजरत, ससुर इमाम बख्श और देवर हसीन उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। कई बार पंचायत और समझौते की कोशिशें हुईं, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ।
आरोप है कि 10 जनवरी 2025 को मारपीट के बाद रुखसाना को ससुराल से निकाल दिया गया था। उसके जेवर, कपड़े और अन्य स्त्रीधन भी ससुराल पक्ष ने अपने पास रख लिया।

## प्रयागराज में बढ़ रहा है गंगा-यमुना का जलस्तर

**प्रयागराज।**
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में हो रही बारिश के बीच गंगा और यमुना नदी के जलस्तर में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि दोनों नदियां अभी भी खतरे के निशान से काफी नीचे बह रही हैं और सभी तटबंध पूरी तरह सुरक्षित हैं।
बाढ़ नियंत्रण कक्ष की जारी रिपोर्ट के अनुसार खतरे का निशान 84.734 मीटर निर्धारित है।
यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 74.51 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में 32 सेंटीमीटर बढ़ा है।

# कारगिल युद्ध में बागपत के आठ शुरवीरों ने लिखी शौर्य गाथा

**बागपत।**
कारगिल विजय दिवस पर जनपद बागपत के उन आठ वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी जा रही है, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में दुश्मनों के छक्के छुड़ाते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल की दुर्गम चोटियों पर तिरंगा फहराकर ऐतिहासिक विजय हासिल की थी, और इस जीत में बागपत के वीरों का योगदान अविस्मरणीय रहा।
जिले के पदम सिंह (बिनौली), यशवीर सिंह (सिरसली), सुभाष कुमार (बड़ौत), इंद्रजीत सिंह (रमाला), अनिल कुमार (बावली), राजेंद्र सिंह (खेकड़ा), जितेंद्र सिंह (जिवाना) और कोमल शर्मा (लोहड़ा) ने कुपवाड़ा में अदम्य साहस का परिचय देते हुए दुश्मनों के मंसूबों को नाकाम किया। इन वीर जवानों की शहादत ने न केवल जिले बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया।

कारगिल युद्ध में बागपत तहसील क्षेत्र से सबसे अधिक जवान शहीद हुए थे। आज भी उनके गांवों में वीरता की कहानियां बच्चों को प्रेरणा देती हैं। इन शहीदों की स्मृति में बनाए गए स्मारकों पर राष्ट्रीय पर्वों और विशेष अवसरों पर लोग श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं। प्रशासन, जनप्रतिनिधि, पूर्व सैनिक संगठन और आम नागरिकों द्वारा 26 जुलाई को विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन किया जा रहा। खेकड़ा के नीरा आर्य स्मारक पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया है। स्वतंत्रता सेनानियों और कारगिल शहीदों के परिवार कार्यक्रम में शामिल हुए है।
कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि इन वीरों का बलिदान देश के लिए अमूल्य है जो आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति का संदेश देता रहेगा।
कारगिल विजय दिवस केवल एक सैन्य जीत नहीं, बल्कि देशभक्ति, साहस और बलिदान की अमर गाथा है–जिसे बागपत के इन आठ सपूतों ने अपने लहू से लिखा है।

### पत्नी से विवाद के बाद हाईटेंशन टावर पर चढ़ा युवक, साढ़े पांच घंटे चला हाईवोल्टेज ड्रामा

## ससुराल पक्ष को बुलाने की जिद पर अड़ा रहा, पुलिस व परिजनों की समझाइश के बाद देर रात सुरक्षित उतरा

**औरैया।**
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के अजीतमल क्षेत्र में शनिवार रात उस समय अफरातफरी मच गई, जब एक युवक हाईटेंशन विद्युत लाइन के टावर पर चढ़ गया। करीब साढ़े पांच घंटे तक चले इस हाईवोल्टेज ड्रामे के दौरान युवक ससुराल पक्ष के लोगों को बुलाने की जिद पर अड़ा रहा। पुलिस, परिजनों और ग्रामीणों की लगातार कोशिशों के बाद देर रात उसे सकुशल नीचे उतार लिया गया। घटना अजीतमल क्षेत्र के ग्राम नवले का पुरवा की है। गांव निवासी 27 वर्षीय योगेंद्र सिंह पुत्र बृजेंद्र राव शनिवार रात करीब 8:30 बजे अपने खेत में लगे हाईटेंशन लाइन के टावर पर चढ़ गया। घटना की जानकारी मिलते ही उसके भाई विवेक समेत परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण भी वहां एकत्र हो गए।
परिजनों और ग्रामीणों ने योगेंद्र को काफी देर तक समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नीचे उतरने को तैयार नहीं हुआ। उसने साफ कहा कि जब तक उसके ससुराल पक्ष के लोग मौके पर नहीं आएंगे, वह टावर से नीचे नहीं उतरेगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस को भी मौके पर बुला लिया, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से निपटा जा सके।
सूचना पर कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और युवक से लगातार बातचीत करते रहे। पुलिस ने उसकी पत्नी हेमलता के मायके पक्ष को भी सूचना दी। देर रात बकेवर क्षेत्र के लुधियानी गांव निवासी उसके साले आलोक कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने काफी देर तक योगेंद्र को समझाया और शांत कराया। इसके बाद रात करीब 1:30 बजे युवक सुरक्षित टावर से नीचे उतर आया।
बताया गया कि योगेंद्र विवाहित है और उसका एक पुत्र भी है। युवक के सुरक्षित नीचे आने के बाद पुलिस, परिजनों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।
कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद की बात सामने आई है।

## भटकी वृद्ध महिला को पुलिस ने सकुशल परिजनों से मिलाया

**बागपत।**
उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद के थाना चांदीनगर क्षेत्र में पुलिस की सतर्कता और मानवीय पहल का सराहनीय उदाहरण सामने आया है। शनिवार शाम (25 जुलाई 2026) को पीआरवी को सूचना मिली कि ग्राम सांकलपुट्टी में एक वृद्ध महिला भटकती हुई मिली हैं, जो अपना नाम मूर्ति बता रही थीं और लुई सराय को अपनी ससुराल बता रही थीं।
सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित थाना चांदीनगर ले जाया गया। यहां ग्राम प्रधान और स्थानीय लोगों की मदद से महिला के परिजनों की तलाश शुरू की गई। काफी प्रयासों के बाद परिजनों का पता लगाया गया और उन्हें सूचना दी गई।
रविवार सुबह परिजन थाना चांदीनगर पहुंचे, जहां पूछताछ में वृद्ध महिला की पहचान श्रीमती मूर्ति पत्नी रोशन, निवासी लुई सराय, थाना फुगाना, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई। महिला ने बताया कि वह अपने मायके ग्राम बाढ़म रोहटा (जनपद मेरठ) से ससुराल लौटते समय रास्ता भटक गई थीं और सांकलपुट्टी पहुंच गई थीं। पुलिस की मौजूदगी में महिला और उनके परिजनों ने एक-दूसरे की पहचान की। आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने महिला को सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

# औरैया : अंतिम संस्कार के तीन दिन बाद जिंदा घर लौटा युवक, पुलिस के सामने अब 'असली शव' की गुत्थी

**औरैया।**
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने पुलिस के साथ-साथ पूरे इलाके को हैरत में डाल दिया। जिस व्यक्ति को मृत मानकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया था, वह तीन दिन बाद जिंदा अपने घर लौट आया। मृतक के सकुशल वापस लौटने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि आखिर जिस अज्ञात शव का अंतिम संस्कार किया गया, वह किसका था। पुलिस ने मामले की दोबारा जांच शुरू कर दी है। मामला सैदपुर गांव का है।

दरअसल अजीतमल कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे पर भीखेपुर बाजार के पूर्व विधायक मदन सिंह गौतम के जर्जर होटल के खंडहर के पास कई दिन पुराना एक अज्ञात शव मिला था। शव का आधा चेहरा क्षतिग्रस्त होने से उसकी पहचान मुश्किल थी। इसके बावजूद सैदपुर गाँव निवासी दशरथ सिंह और गांव के कुछ लोगों ने शव की पहचान भाई कमल सिंह के रूप में कर दी। इसी आधार पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया, जिसके बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।
इस बीच पुलिस ने कमल सिंह की पत्नी सुनीता को पूछताछ के लिए बुलाया। उन्होंने बताया कि करीब डेढ़ वर्ष पहले खेत को लेकर पति से विवाद हो गया था। गुस्से में उन्होंने कमल सिंह से कहा था कि जब तक 2 लाख रुपये की व्यवस्था न हो जाए, तब तक घर न लौटें। इसके बाद कमल सिंह घर छोड़कर चले गए थे। वह मजदूरी कर तीन बच्चों का पालन-पोषण कर रही थीं और हाल ही में नौकरी की तलाश में नोएडा गई थीं। वहीं उन्हें पति की मौत की सूचना मिली। गांव पहुंचने तक अंतिम संस्कार हो चुका था।
पूछताछ के दौरान सुनीता ने पुराने मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया। एक नंबर पर बात होने के बाद कमल सिंह से संपर्क हो गया। पत्नी से पूरी घटना जानने के बाद कमल सिंह शनिवार देर शाम गांव पहुंच गए। उन्हें जीवित देखकर परिजन और ग्रामीण दंग रह गए।
कमल सिंह ने बताया कि वह पहले पानीपत में मुर्गी फार्म पर काम करते रहे, फिर ट्रक हेल्पर बने और बाद में ग्वालियर में प्लंबिंग का काम करने लगे।

## पंजाब-चंडीगढ़ में मानसून फिर सक्रिय, 28-29 को भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

### शनिवार सुबह से शुरू हुआ बारिश का दौर, कपूरथला में सर्वाधिक 40 मिमी वर्षा

**चंडीगढ़ ।**

पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मानसून ने एक बार फिर अपनी रफ्तार पकड़ ली है। शनिवार सुबह से जारी बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत दी है, लेकिन अगले कुछ दिनों में भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने 28 और 29 जुलाई के लिए पंजाब और चंडीगढ़ में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिससे प्रशासन और आम जनता को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। शनिवार सुबह से पठानकोट और जालंधर समेत आसपास के कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिससे वातावरण में ठंडक घुली है। बीते 24 घंटों में कपूरथला में सर्वाधिक 40.0 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा पठानकोट में 30.0 मिमी, रूपनगर (भाखड़ा बांध) में 26.5 मिमी और अमृतसर में 20.6 मिमी वर्षा हुई है। बारिश के बावजूद, पिछले 24 घंटों में पंजाब के अधिकतम तापमान में औसत 2.5 डिग्री सेल्सियस की हल्की बढ़ोतरी हुई है, हालांकि यह सामान्य के आसपास ही बना हुआ है। फरीदकोट 36.5` डिग्री` ल्सियस के साथ राज्य का सबसे गर्म शहर रहा, जबकि पठानकोट में न्यूनतम तापमान 23.6एष्ट दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 26 जुलाई को बारिश की गतिविधियों में थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन 27 जुलाई से राज्य में बारिश की रफ्तार फिर बढ़ेगी। 28 और 29 जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश की प्रबल संभावना है, जिसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 30 जुलाई को भी अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का अनुमान है। आगामी भारी बारिश के मद्देनजर, चंडीगढ़ सहित निचले इलाकों और शहरी क्षेत्रों में जलभराव की गंभीर आशंका जताई गई है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सुरक्षित रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

## बीओआई का मुनाफा 36 फीसदी बढ़कर 3,068 करोड़ हुआ

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में एकल आधार पर अपने मुनाफे में 36.23 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, जो 3,067.90 करोड़ रुपये रहा। बैंक के इस मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को मुख्य रूप से गैर-ब्याज आय में उल्लेखनीय वृद्धि और परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार से बल मिला। बैंक ऑफ इंडिया ने एकीकृत आधार पर भी 80.51 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज करते हुए 3,302.58 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1,829 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की गैर-ब्याज आय 19.07 प्रतिशत बढ़कर 2,579 करोड़ रुपये हो गई, जबकि मुख्य शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 12.61 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,833 करोड़ रुपये रही। इस दौरान बैंक की ऋण वृद्धि 18.64 प्रतिशत दर्ज की गई। परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आया है, जहां बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) दर जून 2026 में घटकर 1.81 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 2.92 प्रतिशत थी। वहीं, शुद्ध एनपीए दर भी 0.51 प्रतिशत पर आ गई, जो जून 2025 में 0.75 प्रतिशत थी।

## फर्जी %एयर सुविधा 2.0% वेबसाइटों से सावधान रहें यात्री, सरकार ने जारी की चेतावनी

**नई दिल्ली,।**

केंद्र सरकार ने शनिवार को यात्रियों से अपील की कि वे %एयर सुविधा 2.0% की आधिकारिक वेबसाइट की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद ही अपनी व्यक्तिगत या यात्रा संबंधी जानकारी साझा करें, क्योंकि कुछ फर्जी वेबसाइटें लोगों को गुमराह कर रही हैं। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि कुछ फर्जी वेबसाइटें और पोर्टल एयर सुविधा 2.0 के नाम पर खुद को आधिकारिक बताकर यात्रियों को पेमेंट गेटवे पर भेज रहे हैं।

मंत्रालय ने कहा, ÷यात्रियों को सूचित किया जाता है कि एयर सुविधा 2.0 की सेवाएं पूरी तरह निशुल्क हैं और सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म जमा करने के लिए किसी भी प्रकार का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। एयर सुविधा 2.0 का एकमात्र आधिकारिक पोर्टल है।÷ मंत्रालय ने आगे कहा कि यात्री अपनी व्यक्तिगत या यात्रा संबंधी जानकारी साझा करने से पहले वेबसाइट के यूआरएल की अच्छी तरह जांच करें और एयर सुविधा 2.0 सेवा देने का दावा करने वाली किसी भी अनधिकृत वेबसाइट पर भुगतान करने से बचें। मंत्रालय ने कहा, ÷यात्रियों से अनुरोध है कि वे केवल आधिकारिक पोर्टल का ही उपयोग करें और सही जानकारी के लिए केवल सरकार की आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

# कच्चे तेल और युद्ध का डर, बाजार पर भारी पड़ी भू-राजनीतिक चिंताएं

### ग्लोबल अस्थिरता का असर भारतीय बाजार पर साफ दिखा

भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल और विदेशी निकासी के दबाव में बाजार

**मुंबई ।**

बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांक लगातार पांच कारोबारी सत्रों तक गिरावट के साथ बंद हुए। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, अमेरिकी व्यापार शुल्क संबंधी नई चिंताएं और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने बाजार की धारणा को बुरी तरह प्रभावित किया। निवेशकों में भारी बिकवाली का दबाव देखा गया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांकों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई और रुपया भी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ। सप्ताह की शुरुआत ही भारी बिकवाली के साथ हुई, जब सोमवार को 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 523 अंक और 50 शेयरों वाला निफ्टी 134 अंक लुढ़क गया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 442.93 अंक (और निफ्टी 95.80 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार ने एक सपाट शुरुआत की, लेकिन वैश्विक अस्थिरता के कारण यह भी लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 238.41 अंक और निफ्टी 50.80 अंक नीचे आ गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और इंफोसिस जैसे दिग्गजों के शेयरों में 2 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। हालांकि, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो सूचकांकों ने कुछ हद तक बढ़त दर्ज कर थोड़ी राहत दी। बुधवार को गिरावट का सिलसिला और तेज हो गया, जो लगातार तीसरा कारोबारी सत्र था। कच्चे तेल के दामों में तेज उछाल और बैंक शेयरों में भारी बिकवाली इसकी मुख्य वजह रही। बीएसई सेंसेक्स 715.06 अंक और एनएसई निफ्टी 191.45 अंक की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार ने लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों की खबरों से कच्चे तेल की कीमतों में और उछाल आया, जिससे निवेशकों की धारणा कमजोर बनी रही। सेंसेक्स 363.66 अंक गिरकर 76,391.39 पर और निफ्टी 126.66 अंक के नुकसान के साथ 23,869.60 के स्तर पर बंद हुआ। सप्ताह का अंत भी गिरावट के साथ हुआ। शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी को नुकसान हुआ। शुरुआती कारोबार में तो सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा टूट गया था, हालांकि बाद में थोड़ी रिकवरी हुई।

## बीएनपी परिबा कार्डिफ ने इंडियाफर्स्ट लाइफ में खरीदी 26 फीसदी हिस्सेदारी

### बैंक ऑफ बड़ौदा 65 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा शेयरधारक

**मुंबई ।**

फ्रांस की बीमा कंपनी बीएनपी परिबा कार्डिफ ने निजी इक्विटी फर्म वारबर्ग पिन्कस से इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। इस सौदे के साथ इंडियाफर्स्ट लाइफ को एक नया रणनीतिक निवेशक मिल गया है, जिसका उद्देश्य कंपनी की विकास यात्रा को गति देना है। हालांकि, सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। इस अधिग्रहण के बाद इंडियाफर्स्ट लाइफ की शेयरधारिता में बड़ा बदलाव आया है। बैंक ऑफ बड़ौदा की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत रहेगी, जिससे वह सबसे बड़ा शेयरधारक बना रहेगा। बीएनपी परिबा कार्डिफ के पास अब 26 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया नौ प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदार रहेगा। इस रणनीतिक साझेदारी का मुख्य उद्देश्य बैंक ऑफ बड़ौदा के विशाल शाखा नेटवर्क, इंडियाफर्स्ट लाइफ की बहु-चैनल वितरण क्षमताओं और बीएनपी परिबा कार्डिफ की वैश्विक बैंकएश्योरेंस विशेषज्ञता, उत्पाद नवाचार तथा बीमा क्षमताओं का लाभ उठाना है। बीएनपी परिबा कार्डिफ की सीईओ पॉलिन लेक्लेर-ग्लोरियू ने इस सौदे को उच्च संभावनाओं वाले बाजारों में मजबूत संस्थानों के साथ साझेदारी की उनकी अंतरराष्ट्रीय रणनीति का विस्तार बताया।

## मारुति ने नई कॉम्पैक्ट एसयूवी से मचाई हलचल, कीमत 7.40 लाख से शुरू

### नया 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन, प्रीमियम इंटीरियर और उन्नत सुरक्षा फीचर्स के साथ हुई एंट्री

**नई दिल्ली।**

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में मारुति सुजुकी ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेज़ा 2026 फेसलिफ्ट को लॉन्च कर दिया है। यह नया मॉडल कई बड़े बदलावों के साथ आया है, जिसमें एक शक्तिशाली टर्बो पेट्रोल इंजन, आकर्षक डिज़ाइन और प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 7.40 लाख रुपये तय की गई है, जो इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनाती है। नई ब्रेज़ा फेसलिफ्ट का सबसे बड़ा आकर्षण इसका बिल्कुल नया 1.0 लीटर डायरेक्ट इंजेक्शन टर्बो पेट्रोल इंजन है। यह इंजन 108 बीएचपी की पावर और 170 एनएम का टॉर्क पैदा करता है, जिसे 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। यह नया पावरट्रेन ड्राइविंग अनुभव को और बेहतर बनाएगा। डिज़ाइन की बात करें तो, नई ब्रेज़ा में नया फ्रंट ग्रिल, बदले हुए बंपर और नए 16 इंच के ड्यूल-टोन अलॉय व्हील मिलते हैं, जो इसे एक फ्रेश लुक देते हैं। यह विवेशियस ऑरेंज और लस्ट्रस बेज जैसे दो नए आकर्षक रंगों में भी उपलब्ध होगी। इंटीरियर में ब्लैक और ब्राउन थीम के साथ ग्लॉस ब्लैक फिनिश दी गई है। इसमें अब बड़ा 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एम्बिएंट लाइटिंग, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, एयर प्यूरीफायर और वायरलेस चार्जर जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं, जो केबिन को अधिक आरामदायक और हाई-टेक बनाते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी ब्रेज़ा अब और मजबूत हुई है।

# बच्चों की दवा कंपनी रेहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित

### दूषित वातावरण, गंदगी और कीड़े-मकौड़ों के प्रकोप से बच्चों के उत्पादों को खतरा

**नई दिल्ली ।**

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बच्चों के लिए आयुर्वेदिक दवाएं, हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रिशन उत्पाद बनाने वाली कंपनी रेहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह सख्त कार्रवाई कंपनी की विनिर्माण इकाई के विस्तृत निरीक्षण के बाद की गई, जहां खाद्य सुरक्षा नियमों के कई गंभीर उल्लंघन पाए गए। एफएसएसएआई ने तत्काल प्रभाव से उत्पादन रोकने और सभी कमियों को दूर करने का निर्देश दिया है, अन्यथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। एफएसएसएआई के निरीक्षण दल ने रेहान हेल्थकेयर की फैक्ट्री में अत्यधिक अस्वच्छ और दूषित वातावरण पाया। पूरे परिसर में गंदगी, कीड़े-मकौड़ों का प्रकोप और साफ-सफाई के बुनियादी मानकों की घोर अनदेखी उजागर हुई। कंपनी को खाद्य सुरक्षा अनुपालन में केवल 12 प्रतिशत अंक मिले, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। अधिकारियों ने विनिर्माण टैंकों के नीचे गंदगी की मोटी परतें और कच्चे माल के भंडारण क्षेत्रों में भी अत्यधिक अस्वच्छता पाई, जिससे उत्पादों में संक्रमण फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो रहा था। निरीक्षण में अपर्याप्त भंडारण, सीमित कार्यस्थल, खराब वेंटिलेशन और प्रकाश व्यवस्था जैसी अन्य महत्वपूर्ण कमियां भी सामने आईं। फैक्ट्री में मकड़ी के जाले, फफूंदी, मक्खियां और खुले में पड़ा कचरा आम बात थी।

नियामक ने इस स्थिति को विशेष रूप से खतरनाक माना, क्योंकि यह इकाई बच्चों द्वारा उपभोग किए जाने वाले हाई रिस्क हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स बनाती है। ऐसी अस्वच्छ परिस्थितियाँ सीधे तौर पर छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरे में डाल सकती थीं। एफएसएसएआई ने साफ किया है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

# 8वें वेतन आयोग की बैठकें अगस्त में, कर्मचारियों को मिली राहत

### महत्वपूर्ण बैठकें 7 अगस्त और 10 अगस्त को आयोजित की जाएंगी

**नई दिल्ली ।**

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वें वेतन आयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। आयोग ने दिल्ली में विभिन्न कर्मचारी संगठनों और पेंशनर्स यूनियनों के साथ आगामी बैठकों का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। ये महत्वपूर्ण बैठकें 7 अगस्त और 10 अगस्त, 2026 को आयोजित की जाएंगी, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के वेतनमान, भत्तों और पेंशन से संबंधित विभिन्न सुझावों पर गहन चर्चा की जाएगी। इस घोषणा से देश के लगभग 1.19 करोड़ केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स को राहत मिली है, जो लंबे समय से आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे हैं। आयोग ने उन सभी कर्मचारी और पेंशनर्स संगठनों को एक और अवसर प्रदान किया है, जिन्होंने पूर्व में अपना मेमोरेंडम जमा कर दिया था, लेकिन किसी कारणवश अभी तक आयोग के साथ उनकी बैठक नहीं हो पाई थी। ऐसे संगठन इन आगामी बैठकों में शामिल होने के लिए 31 जुलाई, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय उन्हें अपनी मेमो आईडी के साथ अपॉइंटमेंट की मांग करनी होगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा के बाद प्राप्त होने वाले अनुरोधों पर सीमित विचार किया जाएगा, इसलिए सभी संगठनों को निर्धारित तिथि से पहले प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है। 8वें वेतन आयोग का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए मौजूदा वेतन, भत्तों और पेंशन व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करना है। इस प्रक्रिया के तहत आयोग विभिन्न कर्मचारी संगठनों, यूनियनों और फेडरेशनों से सुझाव एकत्र कर रहा है। दिल्ली में होने वाली ये बैठकें इसी व्यापक विचार-विमर्श प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जहाँ कर्मचारी संगठन सीधे आयोग के समक्ष अपनी मांगों और सुझावों को प्रस्तुत कर सकेंगे। इन्हीं सुझावों के अध्ययन के बाद आयोग अपनी सिफारिशें तैयार करेगा, जिन्हें बाद में केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा, और इन्हीं के आधार पर भविष्य के नए वेतनमान व अन्य लाभ तय होंगे।

## एचडीएफसी बैंक पर अमेरिकी जांच का साया, शेयरों में गिरावट जारी

### 45 करोड़ के कथित भुगतान को लेकर सवाल, निवेशक चिंतित

**मुंबई ।**

अमेरिका की तीन प्रमुख लॉ फर्मों ने एचडीएफसी बैंक के खिलाफ संभावित संघीय प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन की जांच शुरू कर दी है, जिसके बाद बैंक के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। तिमाही नतीजों के बाद से पिछले पांच कारोबारी सत्रों में शेयर लगभग 10 फीसदी गिर चुके हैं, जिसने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह जांच महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम को कथित तौर पर किए गए 45 करोड़ रुपए के भुगतान से जुड़ी है। आरोप है कि बड़े डिपॉजिट प्राप्त करने के लिए दी गई अतिरिक्त ब्याज राशि को कथित तौर पर विपणन खर्च के रूप में दर्ज किया गया था। इस राशि को फिर चार स्थानीय वेंडरों के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियानों पर खर्च दिखाया गया।

अमेरिकी लॉ फर्मों ने फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह मामला सामूहिक मुकदमे का रूप लेगा या नहीं। वे उन निवेशकों से जानकारी जुटा रही हैं, जिन्हें बैंक के शेयरों में आई गिरावट से नुकसान हुआ है। हालांकि, एचडीएफसी बैंक ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। बैंक का कहना है कि उसके सभी लेनदेन निर्धारित नियमों और एक मजबूत आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के तहत किए जाते हैं, और किसी भी अनियमितता के आरोप पूरी तरह से निराधार हैं।

# केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3,030 करोड़ के 3 भव्य केमिकल पार्कों को दी मंजूरी

### भव्य-रसायन योजना के तहत 2030-31 तक होगा विकास

**नई दिल्ली ।**

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में तीन बड़े केमिकल पार्कों की स्थापना के लिए 3,030 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी नई योजना को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य-रसायन) को हरी झंडी मिली, जिसका मुख्य लक्ष्य भारत को रसायन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह योजना वर्तमान वित्त वर्ष से शुरू होकर 2030-31 तक पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी। योजना की कुल लागत 3,030 करोड़ रुपये है, जिसमें से 3,000 करोड़ रुपये साझा अवसंरचना एवं बुनियादी सुविधाओं के विकास पर और 30 करोड़ रुपये प्रशासनिक व्यय पर खर्च होंगे। वैष्णव ने बताया कि ये पार्क कम से कम 2,000 एकड़ (करीब 8 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र में स्थापित होंगे और प्रत्येक में 20,000 करोड़ रुपये से 50,000 करोड़ रुपये तक का निवेश आकर्षित होने की संभावना है। इन पार्कों का विकास राज्यों के साथ चैलेंज रूट के तहत किया जाएगा, जहां राज्य सरकारें ग्रीनफील्ड (नई) या ब्राउनफील्ड (पुरानी) विकल्पों में से चुनाव कर सकेंगी। केंद्र सरकार प्रत्येक पार्क के लिए अधिकतम 1,000 करोड़ रुपये का अनुदान देगी, जबकि संबंधित राज्य सरकार को कम से कम 500 करोड़ रुपये का योगदान करना होगा। आधिकारिक बयान के अनुसार यह योजना रसायन उद्योग की समूची मूल्य शृंखला का विकास करेगी, लॉजिस्टिक लागत में कमी लाएगी और घरेलू-विदेशी निवेश को बढ़ावा देगी। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और भारतीय रसायन क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। इन पार्कों में आधुनिक सुविधाएं जैसे सीईटीपी, जल आपूर्ति और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क विकसित किए जाएंगे, जिससे कृषि, वस्त्र, दवा, वाहन व इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा।

## कठुआ को मिलेगी मजबूत बिजली, ग्रिड उन्नयन को 15.22 करोड़ मंजूर

### क्षेत्र में मिलेगी विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति

**श्रीनगर।**

जम्मू कश्मीर सरकार ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कठुआ ग्रिड स्टेशन के उन्नयन के लिए 15.22 करोड़ रुपए की एक महत्वपूर्ण परियोजना को हरी झंडी दे दी है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के इस फैसले की जानकारी एक सरकारी प्रवक्ता ने दी, जिसमें बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने पर जोर दिया गया है। प्रवक्ता के अनुसार इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य कठुआ ग्रिड स्टेशन की क्षमता में वृद्धि करना और उससे संबंधित बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाना है। यह पहल विशेष रूप से क्षेत्र में लगातार बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए पारेषण नेटवर्क को मजबूत करेगी और उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय विद्युत अवसंरचना उपलब्ध कराएगी। अधिकारियों का मानना है कि इस उन्नयन से पारेषण प्रणाली की विश्वसनीयता और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

साथ ही, यह प्रणाली पर पड़ने वाले अधिक दबाव को कम करने में भी सहायक होगा। इसका सीधा लाभ कठुआ और आसपास के क्षेत्रों के हजारों उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनके लिए अब बेहतर गुणवत्ता और अधिक स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

## क्रेडिट कार्ड खर्च 2 लाख करोड़ के पार, लगातार दूसरे महीने उछाल

**मुंबई।**

भारतीय उपभोक्ताओं ने क्रेडिट कार्ड के जरिए खर्च करने की अपनी आदत को जून में भी बरकरार रखा है, लगातार दूसरे महीने खर्च का आंकड़ा 2 लाख करोड़ रुपए के निशान को पार कर गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून में क्रेडिट कार्ड से कुल 2.01 लाख करोड़ रुपए का व्यय दर्ज किया गया, जो पिछले साल इसी अवधि के मुकाबले 9.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि है। हालांकि, यह मई के 2.02 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले मामूली रूप से कम रहा। क्रेडिट कार्ड खर्च में प्रमुख खिलाड़ियों में एचडीएफसी बैंक और एसबीआई कार्ड का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा। एचडीएफसी बैंक ने 16.2 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी के साथ 59,432 करोड़ रुपए का खर्च दर्ज किया, जबकि एसबीआई कार्ड का खर्च 34.4 फीसदी बढ़कर 41,077 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड खर्च में 5.2 फीसदी की सालाना गिरावट दर्ज की गई और यह 31,410.9 करोड़ रुपए रहा।

# एक्सिस एमएफ के पूर्व डीलर वीरेश जोशी पर 7 साल का प्रतिबंध

### 30.55 करोड़ की अवैध कमाई जब्त, व्हाट्सएप चैट से खुला राज

**मुंबई ।**

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फ्रंट-रनिंग ट्रेडिंग के गंभीर आरोपों पर ऐक्सिस म्युचुअल फंड के पूर्व चीफ डीलर वीरेश जोशी पर सात साल के लिए प्रतिभूति बाजार में पाबंदी लगा दी है। उन पर 3 करोड़ रुपए का भारी जुर्माना भी लगाया गया है। इस मामले में सेबी ने जोशी के 20 अन्य सहयोगियों को भी 3 से 7 साल के लिए प्रतिबंधित किया है, जिन पर 10 लाख रुपए से 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया गया है। नियामक ने इस अवैध गतिविधि के जरिये हुई अनुमानित 30.55 करोड़ रुपए की कमाई को पहले ही जब्त कर लिया है। सेबी के अंतिम आदेश के अनुसार, जोशी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ऐक्सिस एमएफ के बड़े सौदों से जुड़ी गोपनीय जानकारी अपने बाहरी सहयोगियों को दी। इन लोगों ने दुबई से ओडीआईएन टर्मिनल और दूसरों के नाम पर खोले गए खातों का इस्तेमाल कर फ्रंट-रनिंग ट्रेड किए, जिससे बाजार में हेरफेर कर अवैध मुनाफा कमाया गया। इस गैर-कानूनी कमाई को ऑफशोर कंपनियों में जमा किया गया।

## श्रीराम फाइनेंस का मुनाफा पहली तिमाही में 60 प्रतिशत बढ़ा

**मुंबई ।**

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड का मुनाफा चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में 60 प्रतिशत बढ़कर 3,453 करोड़ रुपये रहा।

मुख्य रूप से आय में वृद्धि से लाभ बढ़ा है।

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के एक कार्यकारी अे धिकारी ने कहा कि शुद्ध ब्याज आय 33.67 प्रतिशत बढ़कर 8,056 करोड़ रुपये होने और शुद्ध ब्याज मार्जिन के पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 8.11 प्रतिशत से बढ़कर 9.04 प्रतिशत होने से मुनाफे में वृद्धि हुई।

उन्होंने कहा कि जापान के एमयूएफजी द्वारा 4.4 अरब डॉलर में कंपनी में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने से भी शुद्ध ब्याज मार्जिन बढ़ाने में मदद मिली।

## जीपी पेट्रोलियम्स का मुनाफा पहली तिमाही में तीन गुना होकर 20.6 करोड़ पहुंचा

**मुंबई ।**

लुब्रिकेंट बनाने वाली कंपनी जीपी पेट्रोलियम्स लिमिटेड (जीपीपीएल) का मुनाफा (पीएटी) चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में तीन गुना से अधिक होकर 20.6 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 6.4 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय् सालाना आधार पर 46 प्रतिशत बढ़कर 230.3 करोड़ रुपये हो गई, जो 2025-26 की समान तिमाही में 158.2 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कर पूर्व आय करीब तीन गुना होकर 29.2 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 10 करोड़ रुपये थी।जीपी पेट्रोलियम्स के प्रवक्ता ने कहा कि बेहतर परिचालन मार्जिन, उत्पाद मिश्रण में सुधार और परिचालन दक्षता पर लगातार ध्यान देने के साथ ही कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूत शुरुआत की है।

सीडब्ल्यूजी 2026:

# जादुमनी का दमदार आगाज

## 5-0 से जीत दर्ज कर बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

**ग्लास्गो, एजेंसी।** भारत के बॉक्सर जादुमनी सिंह मंडेन्गबाम ने कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 का आगाज दमदार प्रदर्शन के साथ किया है। जादुमनी ने पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्कॉटलैंड के एरन कलन को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। ग्लासगो के एसईसी हॉल में खेले गए इस मुकाबले में जादुमनी शुरू से आखिर तक विपक्षी बॉक्सर पर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने तेज पंच, सटीक निशाने और मजबूत डिफेंस के दम पर अपने प्रतिद्वंद्वी को पूरे मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सभी पांच जजों ने हर राउंड में जादुमनी को विजेता माना और उन्हें 30-27 का एक जैसा स्कोर दिया।

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद स्कॉटलैंड के एरन कलन भारतीय खिलाड़ी की गति और रणनीति के आगे बेबस नजर आए। भारतीय बॉक्सर के एक के बाद एक पंचों का एरन कलन के पास कोई जवाब नहीं था। इस जीत के साथ जादुमनी राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए हैं। अब 26 जुलाई को उनका मुकाबला पाकिस्तान के रहमान से होगा। जादुमनी अगर पाकिस्तानी बॉक्सर के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहते हैं, तो वह क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लेंगे। जादुमनी को भारत की ओर से पदक का बड़ा उम्मीदवार माना जा रहा है।

जादुमनी की इस जीत से भारतीय बॉक्सिंग टीम ने प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत की है। भारतीय दल इस बार ज्यादा से ज्यादा पदक जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरा है। हालांकि, ग्लासगो में हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इस बार बैडमिंटन, रेसलिंग, हॉकी, क्रिकेट और शूटिंग को शामिल नहीं किया गया है। इन खेलों में पिछले बार भारत ने कई पदक अपने नाम किए थे। इससे पहले, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने बिना रिंग में उतरे ही बॉक्सिंग में भारत के लिए पहला पदक पक्का कर लिया था, क्योंकि उन्हें पहले राउंड में 'बाय' मिला और वह सीधे सेमीफाइनल में पहुंच गईं। नियमों के अनुसार, कॉमनवेल्थ गेम्स के सेमीफाइनल में हार के बावजूद खिलाड़ी को कांस्य पदक दिया जाता है। लवलीना 31 जुलाई को पहली बार रिंग में नजर आएंगी और उनका मुकाबला टाफाकी से होगा। लवलीना अगर टाफाकी के खिलाफ जीत दर्ज करने में कामयाब रहती हैं, तो उनका कम से कम रजत पदक पक्का हो जाएगा।

FIH Youth Hockeyzs:

# भारतीय टीम का गदर, पाकिस्तान को 7-3 से धोया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ओमान के मस्कट में खेली जा रही FIH यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने 24 जुलाई को अपना दबदबा कायम रखा. भारत ने एक ही दिन में दो बड़ी जीत दर्ज कीं, जहां उसने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 से हराने से पहले मेजबान ओमान को 10-1 से करारी शिकस्त दी.

दिन के सबसे हाई-वोल्टेज मुकाबले में कप्तान केतन कुशवाहा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया. हाफ-टाइम तक रोमित पाल, करन गौतम और कप्तान केतन के गोलों की बदौलत भारत 3-0 से आगे रहा. फिर दूसरे हाफ में प्रहलाद राजभर, शाहरुख अली, राहुल यादव और केतन के गोलों ने भारत की 7-3 से जीत पक्की कर दी.

# विराट कोहली से मेरा कोई झगड़ा नहीं...

- ट्रेविस हेड ने IPL विवाद पर पहली बार तोड़ी चुप्पी, ट्रोलिंग पर भी छलका दर्द

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने आईपीएल 2026 के दौरान विराट कोहली के साथ विवाद और उसके बाद हुई सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर पहली बार खुलकर अपनी बात रखी है. हेड ने उन सभी अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच के बाद उनके और विराट कोहली के रिश्तों में खटास आ गई थी. दरअसल, मैच खत्म होने के बाद कैमरे में एक ऐसा दृश्य कैद हुआ था, जिसमें देखा गया कि विराट कोहली ने ट्रेविस हेड से हाथ नहीं मिलाया. इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों खिलाड़ियों के बीच मनमुटाव की खबरें तेजी से फैल गईं. हालांकि अब हेड ने खुद इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है. कोड स्पोर्ट्स से बातचीत में ट्रैहेड ने कहा कि विराट कोहली के साथ उनके रिश्ते सामान्य हैं और किसी तरह के विवाद की बात पूरी तरह बेबुनियाद है. उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि पैच-अप करने जैसा कुछ है. ऐसी कोई बात ही नहीं है. टूर्नामेंट जैसा चला, वैसा ही सब कुछ हुआ. इसमें कोई हैरानी वाली बात नहीं थी.' हेड के इस बयान के बाद विराट और उनके बीच विवाद की सभी अटकलों पर विराम लग गया है. हेड ने बताया कि मैदान पर होने वाली घटनाओं को वह एक पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर संभाल लेते हैं, लेकिन जब सोशल मीडिया पर उनके परिवार को निशाना बनाया गया तो स्थिति काफी अलग हो गई.

### ट्रेविस हेड का दर्द छलक पड़ा

उन्होंने कहा, 'जेसिका और मैं चीजों को सही नजरिए से देखते हैं. हम जानते हैं कि यह उसी दुनिया का हिस्सा है, जिसमें हम रहते हैं. लेकिन असली परेशानी तब हुई, जब मामला परिवार के दूसरे सदस्यों तक पहुंच गया. वे लोग ऐसी चीजें देखने के आदी नहीं हैं.' विवाद के दौरान ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका हेड को भी सोशल मीडिया पर कई आपत्तिजनक संदेश मिले थे. ट्रेविस हेड ने कहा कि उनकी पत्नी ने पूरे मामले को बेहद परिपक्वता के साथ संभाला. उन्होंने कहा, 'कुछ दिनों बाद लोग सब भूल जाते हैं. जेसिका ने इस पूरे मामले को शानदार तरीके से संभाला. असली चुनौती यह होती है कि परिवार के बाकी लोग इन चीजों को किस तरह लेते हैं.'

हेड ने साफ संकेत दिया कि खिलाड़ियों की आलोचना खेल का हिस्सा हो सकती है, लेकिन उनके परिवार को सोशल मीडिया पर निशाना बनाना सही नहीं है.

सीडब्ल्यूजी: डे-2

# भारत को पहला पदक, झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता कांस्य

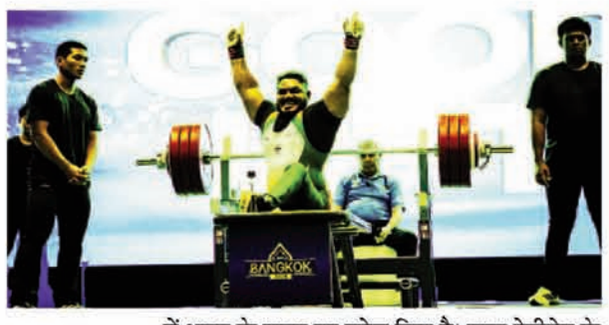

**ग्लास्गो, एजेंसी।** राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दूसरे दिन भारत को पहला पदक मिला। झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीता। अन्य खेलों में देश के खिलाड़ियों का हाल कैसा रहा? पैरा तैराकी समेत अन्य खेलों में किन भारतीय खिलाड़ियों ने कैसा प्रदर्शन किया? कौन नजदीकी अंतर से पदक से चूक गए? राष्ट्रमंडल खेल 2026 का दूसरा दिन फिलहाल जारी है। पैरा तैराकी और पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत को निराशा मिली है।

पुरुष और महिला दोनों वर्ग में भारत पदक लाने के करीब था, लेकिन अंत में पिछड़ गया। वहीं, पैरा तैराकी में बुडिगिना काफी करीब से कांस्य अपने नाम नहीं कर सके। आइए जानते हैं राष्ट्रमंडल खेल के दूसरे दिन क्या-क्या हुआ? ग्लास्गो में भारत को पहला पदक किसने दिलाया? पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पदक का खोल दिया है। पुरुष हेवीवेट के फाइनल में झंडू ने 130.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। झंडू ग्रुप बी में शीर्ष पर थे और एक समय स्वर्ण पदक जीतने के करीब थे, लेकिन नाइजीरिया के रिलुवान इदरिस और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने उन्हें तीसरे स्थान पर धकेल दिया। इदरिस ने 132.8 अंकों के साथ स्वर्ण और हार्डिंग ने 131 अंक के साथ रजत अपने नाम किया। भारत के एक अन्य पैरा पावरलिफ्टर सुधीर 114.1 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे।

# 'माइकल फेल्प्स', चाड ले क्लोस बने इतिहास के सबसे सफल पुरुष एथलीट

**ग्लास्गो, एजेंसी।** दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तैराक चाड ले क्लोस कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास के सबसे सफल पुरुष एथलीट बन गए हैं। ग्लास्गो में हो रहे गेम्स के दूसरे दिन पुरुषों की 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में अपनी टीम के साथ मिलकर उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास के सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। 34 साल के क्लोस ने 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स डेब्यू किया था। वह 5वीं बार गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं। ओलंपिक में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड अमेरिका के दिग्गज स्विमर माइकल फेल्प्स के नाम है।

### चाड ले क्लोस के 19 मेडल हुए

ब्रॉज मेडल के साथ ही चाड ले क्लोस के करियर में कॉमनवेल्थ गेम्स पदकों की संख्या 19 हो गई है। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एडम्स और इंग्लैंड के माइक गॉल्ट को पीछे छोड़ दिया है। दोनों ने ही 19-19 मेडल जीते थे। रिकॉर्ड बनाने के बाद भावुक ले क्लोस ने कहा- मुझे ब्रॉन्ज मेडल पर नहीं गोल्ड मेडल पर रोना चाहिए था, लेकिन सच कहूं तो यह उपलब्धि मेरे लिए दुनिया के बराबर है।

निकोलस ने किया इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

# मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अर्जेंटीना के स्टार डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह गर्व के साथ फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। 38 वर्षीय डिफेंडर के अनुसार, उन्होंने नेशनल टीम की जर्सी पहनते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। इस अनुभवी सेंटर-बैक खिलाड़ी ने 17 साल से ज्यादा समय तक अर्जेंटीना की ओर से खेलने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा की है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 मैच खेले और फीफा वर्ल्ड कप तथा दो कोपा अमेरिका खिताब जीते। उन्होंने अपने विदाई संदेश को अपने करियर का सबसे मुश्किल पल बताया। अर्जेंटीना की 'गोल्डन जेनरेशन' के अहम खिलाड़ी ओटामेंडी ने चार फीफा वर्ल्ड कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और देश के सबसे सफल डिफेंडरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। ओटामेंडी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'आज मुझे अपने पूरे करियर के सबसे मुश्किल शब्द लिखने पड़ रहे हैं। मैंने बहुत कम उम्र से ही अर्जेंटीना की नेशनल टीम की जर्सी पहनने का सपना देखा था; यह फुटबॉल से मिला मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। मैंने पूरी शिद्दत, गर्व और इस जिम्मेदारी के एहसास के साथ इसका बचाव किया कि लाखों अर्जेंटीना वासियों के लिए इसका क्या मतलब है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए अपना आखिरी मैच फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच के रूप में खेला। इस मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। निराशाजनक नतीजे के बावजूद, ओटामेंडी ने कहा कि उन्हें टीम की कोशिश पर गर्व है। 'किस्मत को यही मंजूर था कि मेरा आखिरी मैच वर्ल्ड कप फाइनल हो। नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा हम चाहते थे, लेकिन मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि इस ग्रुप ने आखिरी सेकंड तक कोशिश की। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं इस सुकून के साथ विदा ले रहा हूं कि मैंने मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया। मैंने कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ी, कभी भरोसा नहीं खोया और हमेशा यही महसूस किया कि यह जर्सी मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान थी। '

# वेस्टइंडीज की टीम में इस 'मिस्ट्री स्पिनर' की एंट्री

पाकिस्तानी बैटर्स की उड़ेगी नींद!

**नई दिल्ली, एजेंसी।** क्रिकेट वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी. यह सीरीज 25 जुलाई से 6 अगस्त तक खेली जाएगी और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27 का हिस्सा होगी. ऐसे में दोनों टीमों के लिए ये सीरीज काफी अहम है. श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में 1-0 से टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम के अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है. अनुभवी ऑलराउंडर रोस्टन चेज विंडीज की टीम की कमान संभालते रहेंगे. उधर बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशप को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया है. 26 साल के बिशप का घरेलू रिकॉर्ड काफी शानदार रहा है. उन्होंने सिर्फ 25 फर्स्ट क्लास मैचों में 23.90 की औसत से 116 विकेट झटके हैं. वहीं उन्होंने फर्स्ट क्लास मैचों में 30.76 के एवरेज से 1046 रन बनाए हैं. बिशप ने 54 लिस्ट-ए मैचों में 79 और 16 टी20 मुकाबलों में 12 विकेट भी चटकाए हैं.

**मैकेंजी की टीम में वापसी:** 25 वर्षीय ओपनिंग बल्लेबाज किर्क मैकेंजी की टेस्ट टीम में वापसी हुई है. उन्होंने आखिरी टेस्ट 2024 में इंग्लैंड दौरे पर खेला था .मैकेंजी ने वेस्टइंडीज चैंपियनशिप के हालिया सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने छह पारियों में 323 रन बनाए और उनका औसत 64.60 रहा. शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने टीम में वापसी की है.

# भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का दिल्ली में आयोजन!

- तारीखों में हो सकता है बदलाव

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि सितंबर में वह नई दिल्ली में भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज की मेजबानी के लिए तैयार है। हालांकि, बांग्लादेश और भारत के बीच सीरीज पर अभी असमंजस जारी है।

फिलहाल अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में होने वाली सीरीज की तारीखें 13, 15 और 17 सितंबर बताई गई हैं। मगर भारत और बांग्लादेश सीरीज के चलते इसकी तारीखें बदल सकती हैं, मगर सीरीज होना पक्का है। आपको बता दें कि रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच छह मैचों की व्हाइट बॉल सीरीज (तीन टी20 और तीन वनडे) की उम्मीदें अभी बरकरार हैं। शुक्रवार को यह खबर सामने आई है कि भारतीय सरकार ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 18वें BRICS सम्मेलन (जो सितंबर में होना है) के लिए आमंत्रित किया है।

इसके बाद उम्मीदें हैं कि दोनों क्रिकेट बोर्ड और सरकारों के बीच संबंध फिर पुराने जैसे हो जाएंगे। जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि वह भारत के खिलाफ 1 से 13 सितंबर तक सीरीज की मेजबानी कर सकती है। इसी कारण भारत और अफगानिस्तान सीरीज की तारीखें थोड़ी बदल सकती हैं। क्रिकबज ने पहले इस बात की जानकारी दी थी कि बांग्लादेश बोर्ड के द्वारा मीडिया राइट्स के लिए अभी EoI दस्तावेज नहीं जारी किए गए हैं। पहले सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों के कारण भारत के बांग्लादेश को आगे बढ़ाए जाने की जानकारी सामने आई थी।

# कैसे पहचानें किस कारण से हो रहे हैं मुहांसे?

मुंहासों की समस्या से ज्यादातर युवा परेशान रहते हैं। छुटकारा पाने के लिए कई तरह के इलाज भी कराते हैं, पर मनचाहा फायदा नहीं होता। मुंहासे होने की कई वजहें हो सकती हैं, उन्हें जानकर ही उपचार करवाएं। जानकारी दे रहा है आलेख। हमारी त्वचा तीन परतों से बनी है। सबसे ऊपरी परत कुछ-कुछ समय बाद बदलती रहती है। ऐसा मृत त्वचा के झड़ जाने से होता है। यह प्रक्रिया चलती रहती है। उसके नीचे वाली परतों में नसें, रक्त नलिकाएं, तेल एवं पसीने की ग्रंथियां तथा हेयर फोलिकल (रोमकूप) होते हैं। सबसे नीचे वाली परत वसा कोशिकाओं से बनी होती है। सही ध्यान नहीं रखने पर तेल ग्रंथियां और मृत त्वचा रोमकूपों में रुकावट पैदा करती हैं, जिससे नई परत बाहर नहीं निकल पाती। वहां त्वचा फूलकर दानों का रूप ले लेती है, जिसे मुंहासे कहते हैं। मुंहासे दो प्रकार के होते हैं। एक, छोटे-छोटे सफेद दाने होते हैं, जिनमें मवाद भर जाता है। दूसरे, लाल रंग के दाने होते हैं, जो ज्यादातर सूखी त्वचा वालों को होते हैं। मुंहासे कई कारणों से हो सकते हैं। हार्मोन में असंतुलन होने पर मुंहासे निकलते हैं। इसके लिए खान-पान और जीवनशैली में सुधार जरूरी होता है। महिलाओं में पहले की तुलना में पीसीओडी और थायरॉएड के मामले बढ़े हैं।

माहवारी चक्र का सही नहीं होना भी मुंहासों का एक कारण होता है। गर्भावस्था के बाद भी कुछ महिलाओं में मुंहासे निकलते हैं। चेहरे पर बहुत अधिक धूप पड़ना भी मुंहासे के खतरे को बढ़ाता है। एक कारण शरीर में इंसुलिन ज्यादा बनना भी होता है, जिसके बारे में कम लोग ही जानते हैं। इसका मतलब यह है कि हमारे खानपान का हमारे मुंहासों से सीधा संबंध है, जिन्हें मुंहासे अधिक निकलते हैं, उन्हें हाई ग्लाइसेमिक खाना नहीं खाना चाहिए। ये वे चीजें होती हैं, जिनमें कार्बोहाइड्रेट बहुत ज्यादा होता है। हाई ग्लाइसेमिक भोजन सफेद ब्रेड, नान और मैदे से बनी चीजें 'स्टार्चयुक्त सब्जियां जैसे आलू' छोटे व मोटे चावल 'पाश्ता, नूडल, बर्गर आदि जंकफूड' दूध या दूध से बनी चीजें 'केक, पेस्ट्री, बिस्कुट, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक फलों में तरबूज।

**लो ग्लाइसेमिक भोजन लो:** ग्लाइसेमिक भोजन में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम और पोषक तत्व अधिक होते हैं। जैसे-ब्राउन ब्रेड, ओट्स व मछली बासमती और सेला चावल हरी पत्तेदार सब्जियां सरसों का तेल, राइस ब्रान तेल, जैतून का तेल, नारियल तेल, घी आदि बादाम, काजू, खुबानी आदि मेवे फलों में सेब, स्ट्राबेरी, अमरूद आदि डेयरी उत्पादों की भूमिका भारत में 75 प्रतिशत लोग दूध को ठीक ढंग से नहीं पचा पाते। ऐसे लोग डेयरी उत्पाद का सेवन अधिक करते हैं तो उन्हें अपच होने लगता है, जिससे उन्हें मुंहासे निकलने लगते हैं। चेहरे पर बहुत अधिक मुंहासे हो रहे हैं तो कुछ समय के लिए दूध या दूध से बने पदार्थों का सेवन बंद करके देखें। अगर मुंहासों की समस्या कम होती दिखे तो आगे से अपने आहार में डेयरी उत्पादों की मात्रा कम ही रखें। सोया मिल्क, नारियल दूध, बादाम का दूध ले सकते हैं।

खाने में जिंक व आयरन युक्त चीजें जैसे हरी पत्तेदार सब्जियां, अनार आदि आहार में शामिल करें। विटामिन-सी त्वचा के लिए अच्छा होता है, इसके लिए खट्टे वर्ग के फल एवं सब्जियां खाएं। विटामिन ए, डी और ओमेगा-3 फैटी एसिड युक्त चीजें लें। मछली एवं अखरोट में ओमेगा-3 खूब होता है। पानी भी पर्याप्त मात्रा में पिएं। जबड़े वाला हिस्सा जब लिवर ढंग से काम नहीं कर रहा हो तो जबड़े वाले हिस्से में मुंहासे निकलने लगते हैं। इसके लिए डॉक्टर से भी सलाह ले सकते हैं।

# इम्यूनिटी पर पड़ रहा है प्रदूषण का असर, अपनाएं आयुर्वेदिक नुस्खे

आम जिंदगी पर बढ़ते प्रदूषण का असर आज हर किसी के लिए परेशानी का सबसे बड़ा सबब बना हुआ है। आज दुनियाभर में लोग इस समस्या से बेहद परेशान हैं। प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए देशभर में हर साल 2 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने के पीछे उद्देश्य औद्योगिक आपदा के प्रबंधन और नियंत्रण के प्रति लोगों के बीच जागरूकता फैलाना, साथ ही हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषित होने से बचाना और उनमें होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए अलग-अलग तरह से समाज में जागरूकता फैलाना है।

इसके अलावा हर साल 2 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस उन लोगों की याद और सम्मान में भी मनाया जाता है, जिन्होंने भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गंवा दी थी। यूं तो प्रदूषण व्यक्ति के शरीर पर कई तरह से बुरा असर डालता है, लेकिन प्रदूषण का सबसे ज्यादा बुरा असर व्यक्ति की इम्यूनिटी पर पड़ता है। तो आइए इस खास मौके पर जानते हैं प्रदूषण के प्रकोप से कैसे खुद को बचाते हुए मजबूत बनाएं अपनी इम्यूनिटी। ये आयुर्वेद और यूनानी पद्धति के नुस्खे आपको स्वस्थ रखने के साथ प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से भी बचाने में आपकी मदद करेंगे।

## आंखों की सेहत के लिए

**आंखों में गुलाब जल डालें:** प्रदूषण के कारण आंखों में जलन होती है। इसके लिए रोजाना सोने से पूर्व आंखों में अर्क गुलाब जल की दो-दो बूंदे डालें।

## गले में इंफेक्शन

गले में इंफेक्शन एवं नजला खांसी से बचने के लिए शहद, अदरक, कालीमिर्च और जराकुस के पत्तों की चाय बनाकर पिएं।

## इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए

प्रदूषण के कण इम्यून सिस्टम पर सीधा वार करते हैं। इससे बचने के लिए डाइट में हरा आंवला शामिल करना काफी उपयोगी होता है। इसकी चटनी, सब्जी और मुरब्बा खाने से फायदा होगा।

## बॉडी को करें डिटॉक्स

बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर पिएं।

## सर्दी-जुकाम से बचने के लिए

अदरक और शहद को साथ में लेने से सर्दी-जुकाम से बचा जा सकता है।





## कॉर्न बिरयानी

### सामग्री

- कॉर्न: डेढ़ कप
- बासमती चावल: 3 कप
- बड़े प्याज: लंबाई में कटे 2
- 3 बारीक कटे टमाटर
- अदरक-लहसुन का पेस्ट: 2 टीस्पून
- 6 बारीक कटी हरी मिर्च
- तेल: 4 टेबलस्पून
- घी: 4 टेबलस्पून
- दही: 200 ग्राम
- पानी: 750 मिली ग्राम
- नमक: स्वादानुसार
- मिर्च पाउडर: 2 टीस्पून
- हल्दी पाउडर: 1/4 टीस्पून
- बारीक कटा हरा धनिया: 1/4 कप
- मिंट की पत्तियां : 1/4 कप
- दालचीनी: 2 टुकड़े
- 5 लौंग
- 3 इलायची

### विधि

आधे घंटे के लिए चावल को पानी में भिगोकर रख दें। पानी निकालने के बाद चावल को अलग रख दें। भारी तले वाले बर्तन में तेल और घी को एक साथ गरम करें। उसमें दालचीनी, इलायची और लौंग को फ्राई करें। उसमें प्याज को भूरा होने तक भूनें। उसके बाद उसमें टमाटर और अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाएं। अब उसमें हरी मिर्च, धनिया और मिंट की पत्तियां डालें। मक्के के दानों के साथ उसमें हल्दी, मिर्च, दही और नमक मिलाकर गाढ़ी ग्रेवी तैयार कर लें। इस ग्रेवी में पानी और चावल मिलाकर प्रेशर कुकर में पका लें। धनिया की पत्तियों से गार्निश कर सर्व करें।

## मकई का चीला

### सामग्री

- स्वीट कॉर्न: 1 कप
- 1 प्याज
- रिफाइंड ऑयल: 1 चम्मच
- नमक: स्वाद के अनुसार
- 1 कटी हुई मिर्च
- बेसन: 2 चम्मच
- अदरक: आधा चम्मच

### विधि

इस स्वादिष्ट ब्रेकफास्ट को बनाने के लिए सबसे पहले ग्राइंडर में स्वीट कॉर्न को पीसकर पेस्ट बना लें। आपको एक गाढ़ा मिक्चर बनाना है। इसके बाद इस मिक्चर को एक बर्तन में निकाल लें। उस बर्तन में मकई, बेसन, कटी हुई मिर्च, कटा हुआ प्याज, नमक और घिसी हुई अदरक मिला लें। इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाते हुए सबको अच्छे से मिला लें। एक पैन को गैस पर रखकर गर्म करें और उसमें 3-4 बूंद तेल डालें। इस पर बैटर को डालकर गोल शेप (डोसा की तरह) बना लें। इसे दोनों तरफ अच्छे से सेकें। आप इसे चटनी के साथ ट्राई कर सकते हैं। इसके साथ ही आप इसे चेरी या पुदीने से सजा सकते हैं।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

**धनु** (ये यो भा भी भू): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत

संरक्षक: संजय शुक्ला,( सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह संपादक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

## काकुरो पहेली - 3959

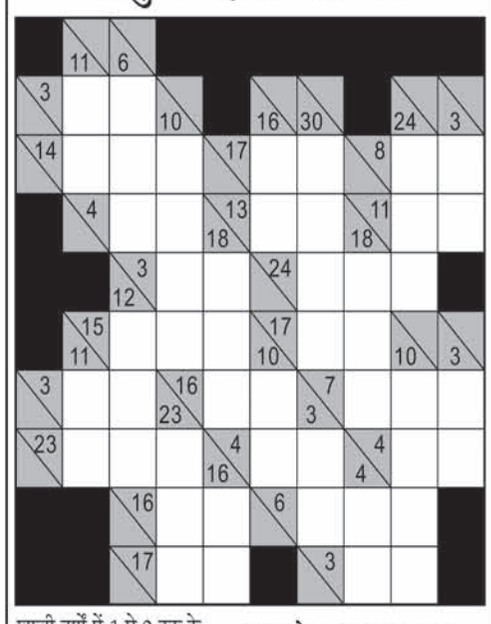

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणः



### काकुरो - 3958 का हल



## लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?
प्रेमी : हाँ।
प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

□ □ □

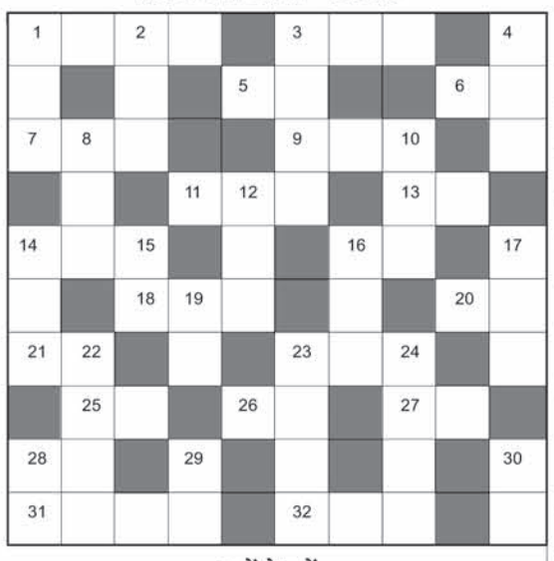

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।
युवती बोली- तुमने ये क्या किया?
युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।
युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चाँटा रसीद कर दिया।
युवक- अब ये क्या था?
युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली - 3959



**बायें से दायें:-**

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 3958



## सूडोकु -3959

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | | 8 | 5 | 1 | 9 | 6 | | 7 |
| | | | | | 8 | | | 1 |
| | | 7 | 4 | 6 | | 8 | | 9 |
| 3 | 2 | | | | 7 | | | 8 |
| 1 | | 9 | | 4 | | 7 | | 5 |
| 4 | | | 2 | | | | 9 | 3 |
| 6 | | 3 | | 5 | 1 | 9 | | |
| 8 | | | 3 | | | | | |
| 7 | | 1 | 9 | 2 | 6 | 3 | | 4 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -3958 का हल

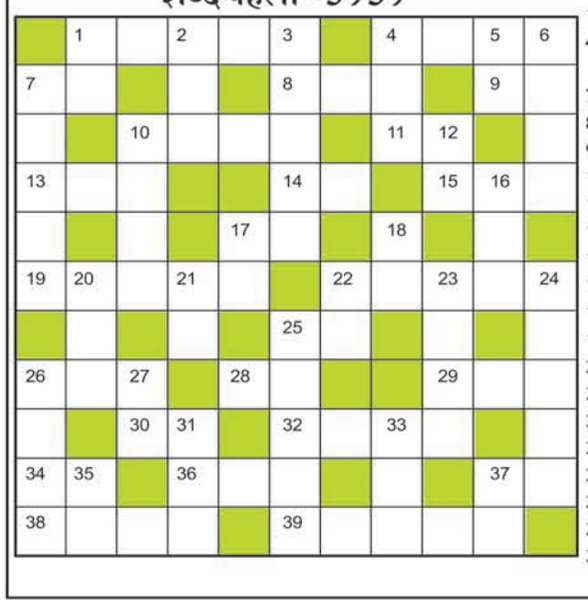

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 1 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 | 6 | 4 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 2 | 9 | 7 | 1 | 8 |
| 6 | 2 | 8 | 4 | 7 | 1 | 9 | 5 | 3 |
| 9 | 8 | 2 | 7 | 3 | 5 | 1 | 4 | 6 |
| 1 | 3 | 6 | 9 | 4 | 8 | 5 | 7 | 2 |
| 5 | 7 | 4 | 1 | 6 | 2 | 8 | 3 | 9 |
| 8 | 4 | 7 | 5 | 9 | 6 | 3 | 2 | 1 |
| 3 | 6 | 1 | 2 | 8 | 7 | 4 | 9 | 5 |
| 2 | 9 | 5 | 3 | 1 | 4 | 6 | 8 | 7 |

## शब्द पहेली -3959



**बाएँ से दाएँ**

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

**ऊपर से नीचे**

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूर्ण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

### शब्द पहेली -3958 का हल



सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी